R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 42
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

शुभ दीपोत्सव की हार्दिक बधाई....

3 देश के विकास के लिए उत्तर प्रदेश का समृद्ध होना ... 5 गंगा पार जा रही नाव का इंजन हुआ ख़राब, ... 7 इंदौर की बहू बनेंगी स्मृति मंधाना! बॉयफ्रेंड ...

दिल्ली में राम राज्य स्थापित होना चाहिए : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम के तहत शनिवार को कर्त्तव्य पथ को 1.51 लाख दीयों से सजाया गया और ड्रोन के जरिये रामायण-थीम वाले लेजर शो से आसमान जगमगा उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले सात महीनों में अपनी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली में ''राम राज्य'' स्थापित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''हम दिल्ली के लोगों की सेवा कर रहे हैं। दिल्ली में राम राज्य स्थापित होना चाहिए, जहां व्यापारियों को अपना व्यवसाय करने में कोई समस्या न हो, छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने की सुविधाएं हों और लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।''

गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार आने वाले वर्षों में दिल्ली को एक स्वच्छ और सुंदर स्थान बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मनजिंदर सिंह सिरसा और रवींद्र इंद्राज के साथ मिलकर कर्तव्य पथ पर दीये जलाए।

इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। ड्रोन लेजर शो के दौरान भगवान राम, अयोध्या में राम मंदिर और रामायण एवं दिवाली से जुड़ी विभिन्न थीम को कर्तव्य पथ के ऊपर आकाश में प्रदर्शित किया गया।

जम्मू में दो ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, चार महिलाओं समेत आठ गिरफ्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जम्मू पुलिस ने दो बड़े मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए करोड़ों रुपये की हेरोइन के साथ चार महिलाओं समेत आठ तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने बताया कि अलग-अलग मामलों की जांच के बाद जम्मू के राजीव नगर और आर एस पुरा इलाकों में मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। इसके साथ ही पिछले कुछ सप्ताह में यहां किरायेदार के रूप में रह रहे पंजाब के कुछ निवासियों सहित 18 से अधिक मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि राजीव नगर निवासी कुख्यात ड्रग तस्कर विशाल कुमार को 275 ग्राम हेरोइन और एक इलेक्ट्रॉनिक वजन तौलने वाली मशीन के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ के बाद रीना को गिरफ्तार कर लिया गया और राजीव नगर स्थित उसके घर से 55 ग्राम हेरोइन, वजन तौलने की मशीन और 33, 490 रुपये बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि उसकी तीन अन्य महिला सहयोगियों शीतल, पायल और काजल को भी गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से 13 ग्राम हेरोइन, दो वजन तौलने की मशीनें और 3050 रुपये जब्त किए गए। सिंह ने बताया कि एक अन्य मादक पदार्थ गिरोह के भंडाफोड़ में तीन मादक पदार्थ तस्करों - पंजाब के इंद्रजीत और विशाल कुमार तथा जगदीश राज को आर एस पुरा के चक तालाब इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 186 ग्राम हेरोइन जब्त की गई।

विदेशी कंपनियों को भारतीय बैंकों के अधिग्रहण की अनुमति देना अविवेकपूर्ण : कांग्रेस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि विदेशी कंपनियों को भारतीय बैंकों के अधिग्रहण की अनुमति देना ''अविवेकपूर्ण'' है और इससे गंभीर जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। पार्टी ने कहा कि जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1969 में विदेशी बैंकों का राष्ट्रीयकरण नहीं किया था, तो जनसंघ ने उनकी आलोचना की थी। संयुक्त अरब अमीरात के एमिरेट्स एनबीडी बैंक ने आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी 26, 853 करोड़ रुपये में खरीदने की रुचि व्यक्त की है जो कि भारत के वित्तीय क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा सौदा है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने यह टिप्पणी की।

रमेश ने 'एक्स' पर लिखा, 'विदेशी कंपनियों को धीरे-धीरे भारतीय बैंकों के अधिग्रहण की अनुमति दी जा रही है। ये अविवेकपूर्ण कदम गंभीर जोखिम पैदा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'पहले, लक्ष्मी विलास बैंक का सिंगापुर के डीबीएस ग्रुप ने अधिग्रहण किया, और कैथोलिक सीरियन बैंक को कनाडा के फेयरफैक्स ने खरीदा। तीसरे, जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन ने येस बैंक का अधिग्रहण किया। अब यह खबर आई है कि दुबई का एमिरेट्स एनबीडी आरबीएल बैंक का अधिग्रहण कर रहा है।' रमेश ने यह भी कहा, 'भारत के निजी क्षेत्र के पहले बैंक की पूर्ण निजीकरण प्रक्रिया यानी आईडीबीआई बैंक का विनिवेश इस वित्त वर्ष में पूरी होने की संभावना है।' उन्होंने कहा कि जनसंघ ने विदेशी बैंकों का राष्ट्रीयकरण नहीं करने के लिए जुलाई 1969 में इंदिरा गांधी की आलोचना की थी।

अयोध्या की दिवाली पर अखिलेश यादव का विवादित बयान, भाजपा-विहिप का पलटवार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा दिवाली समारोहों पर सरकारी खर्च की तुलना क्रिसमस के जश्न से करने पर भाजपा और विश्व हिंदू परिषद ने कड़ी निंदा की है, जिससे राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें 'अयोध्या के जगमगाने से दिक्कत' है। पूनावाला ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान अयोध्या को अंधेरे में रखा गया था। तत्कालीन सपा सरकार ने पहले भी राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। अब जब अयोध्या जगमगा रही है, तो अखिलेश यादव को दिक्कत हो रही है।' उन्होंने आगे कटाक्ष करते हुए कहा, 'ये लोग सैफई में नाच-गाने का आयोजन करते थे, लेकिन अयोध्या में दिवाली मनाई जा रही है, तो अखिलेश यादव को दिक्कत हो रही है।'

हिंदू संगठन विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने यादव पर भारतीय संस्कृति की बजाय विदेशी परंपराओं का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। बंसल ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'जरा सुनिए, दिवाली के मौके पर क्रिसमस की तारीफ़ करते यूपी के इस पूर्व मुख्यमंत्री की बात। दीयों की कतारों ने उनका दिल इतना जला दिया है कि वो एक अरब हिंदुओं को उपदेश दे रहे हैं, दीयों और मोमबत्तियों पर पैसा बर्बाद मत करो, क्रिसमस से सीखो।'

उन्होंने यादव को जिहादियों और धर्मांतरण गिरोहों के तथाकथित मसीहा बताते हुए आरोप लगाया कि वह हिंदुओं से ज्यादा ईसाइयों से प्यार करते हैं और भारतीय त्योहारों से ज्यादा विदेशी त्योहारों का महिमामंडन करते हैं।

बंसल ने यह भी कहा, 'जब ईसाई धर्म नहीं था, तब भी दिवाली मनाई जाती थी। आज दिवाली पर वो क्रिसमस पर प्रवचन दे रहे हैं। क्रिसमस दो महीने बाद आएगा। उन्हें ये भी नहीं पता कि कौन सा त्योहार आ रहा है। अखिलेश यादव अपनी सनातन विरोधी मानसिकता से कब मुक्त होंगे? अयोध्या की रौनक और हिंदुओं की खुशी पर इतनी ईर्ष्या ठीक नहीं है।'

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को दिवाली समारोहों पर सरकार के खर्च पर सवाल उठाए थे और इसकी तुलना दुनिया भर में क्रिसमस समारोहों से की थी। एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, 'मैं भगवान राम के नाम पर एक सुझाव देना चाहूंगा। दुनिया भर में, क्रिसमस के दौरान सभी शहर जगमगा उठते हैं, और यह महीनों तक चलता है। हमें उनसे सीखना चाहिए। हमें दीयों और मोमबत्तियों पर इतना पैसा क्यों खर्च करना पड़ता है और इसके लिए इतना सोचना क्यों पड़ता है?'

उन्होंने यह कहते हुए सरकार बदलने का आह्वान किया था कि, 'हम इस सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं? इसे हटा देना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि और भी खूबसूरत रोशनियां हों।'

गैर-हिंदू से मिले तो बेटियों के पैर तोड़ दो, प्रज्ञा सिंह ठाकुर के विवादित बोल, कांग्रेस भड़की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भोपाल की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर की एक टिप्पणी पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा है कि माता-पिता को अपनी बेटियों को 'गैर-हिंदुओं' के घर जाने से रोकना चाहिए और अगर वे न मानें तो उनकी 'टांगें तोड़ देनी चाहिए'। इस बयान के बाद कांग्रेस ने बीजेपी पर 'नफरत' फैलाने का आरोप लगाया है। इस महीने की शुरुआत में भोपाल में एक धार्मिक कार्यक्रम में बोलते हुए, ठाकुर ने माता-पिता से कहा कि अगर उनकी बेटी उनकी मर्जी के खिलाफ कुछ करे तो उसे शारीरिक सजा दें।

फेसबुक पर एक वायरल वीडियो में प्रज्ञा ठाकुर ने कहा, 'अपने मन को पक्का करो, इतना पक्का कि अगर हमारी बेटी हमारी बात नहीं मानती, अगर वह किसी गैर-हिंदू के घर जाती है, तो उसके पैर तोड़ने के बारे में सोचने से पीछे मत हटो।' उन्होंने आगे कहा, 'जो बच्चे बड़ों की बात नहीं मानते और घर से भागने को तैयार रहते हैं... उनके प्रति ज्यादा होशियार रहें। उन्हें अपने घरों से बाहर न निकलने दें। उन्हें पीटकर, समझाकर, प्यार करके या डांटकर रोकें।' ठाकुर ने माता-पिता को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, 'अगर आपको अपने बच्चों की भलाई के लिए उन्हें पीटना पड़े, तो मत हिचकिचाओ। जब माता-पिता ऐसा करते हैं, तो यह उनके बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए होता है; वे उन्हें टुकड़ों में कटकर मरने नहीं देते।' ठाकुर पर सीधा हमला बोलते हुए कांग्रेस प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने कहा, 'मध्य प्रदेश में (कथित धर्मांतरण के) सिर्फ सात मामलों में ही दोष साबित हुआ है, तो फिर इतनी शोर-शराबा और नफरत क्यों फैलाई जा रही है?'

आरएसएस प्रमुख का बड़ा बयान : 'हम भारतीय हैं, पर मन-बुद्धि विदेशी हो गए'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को भारतीयों से 'मैकाले ज्ञान प्रणाली' के विदेशी प्रभाव से मुक्त होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह विदेशी शिक्षा प्रणाली ने भारतीयों के मन और बुद्धि को उपनिवेशित कर दिया है। मुंबई में 'आर्य युग' खंड के विमोचन समारोह के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने जोर देकर कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा तक पहुंचने और इसके महत्व को समझने के लिए हमें इस विदेशी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त होना होगा।

मोहन भागवत ने कहा, 'हमें भारतीय शिक्षा प्रणाली में नहीं, बल्कि मैकाले ज्ञान प्रणाली में शिक्षा दी गई। इस प्रणाली ने हमारी उत्पत्ति, आधार और बुद्धि को विदेशी ढांचे में ढाल दिया। हम भारतीय हैं, लेकिन हमारे मन और बुद्धि विदेशी हो गए हैं। हमें इस विदेशी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त होना होगा। तभी हम अपनी समृद्ध ज्ञान परंपरा तक पहुंच पाएंगे और उसका महत्व समझ सकेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि हमें दुनिया की प्रगति का रहस्य समझना चाहिए, उसका मूल्यांकन करना चाहिए और जो अच्छा है उसे अपनाना चाहिए, जबकि बेकार को त्याग देना चाहिए।

भागवत ने ज्ञान और सत्य की अवधारणा पर भी गहन विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारी पांच ज्ञानेंद्रियां (इंद्रियां जिनसे हम संसार को समझते हैं) मन से मिलने वाले निर्देशों पर आधारित होती हैं। लेकिन यह जो हम देखते हैं, वह पूर्ण सत्य नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'आधुनिक विज्ञान भी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि हमारी ज्ञानेंद्रियों से जो दिखता है, वह मन के निर्देशों पर निर्भर करता है। मनुष्य सात रंग देखता है, लेकिन एक कुत्ता केवल दो रंग और एक मुर्गी तीन रंग देख सकती है।' भागवत, जो पेशे से पशुचिकित्सक भी हैं, ने कहा, 'एक कुत्ता और इंसान इस बात पर असहमत होंगे कि कितने रंग दिखते हैं। सत्य को जानने के लिए हमें अपने भौतिक मस्तिष्क से परे जाना होगा। आधुनिक विज्ञान भी कहता है कि सत्य को जानना संभव है।'

आरएसएस प्रमुख ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जनन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा और दर्शन प्रणाली न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए, बल्कि समाज और विश्व के कल्याण के लिए भी प्रासंगिक है। भागवत के इस बयान को शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने के उनके व्यापक दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

'आर्य युग' के विमोचन समारोह में भागवत के विचारों ने उपस्थित लोगों में उत्साह भरा। उनके इस बयान ने शिक्षा प्रणाली और भारतीय दर्शन के महत्व को लेकर नई बहस छेड़ दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान न केवल शिक्षा सुधारों पर बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

दूसरे धर्म की पूजा में शामिल होना ईमान की कमजोरी, मौलाना इस्हाक गोरा का वीडियो वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। सोशल मीडिया पर इन दिनों देवबंदी विचारधारा के वरिष्ठ इस्लामी विद्वान और जमीयत दावातुल मुसलिमीन के संरक्षक मौलाना कारी इस्हाक गोरा का एक बयान तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में मौलाना धार्मिक सहिष्णुता की वर्तमान व्याख्या पर सवाल उठाते हुए इसे 'ईमान की कमजोरी' करार देते हैं। वीडियो में मौलाना इस बात पर जोर देते दिखते हैं कि भाईचारा केवल अच्छे व्यवहार, मदद और इंसाफ के साथ जुड़ा होना चाहिए, न कि किसी दूसरे धर्म की पूजा या रस्मों में भाग लेने से।

मौलाना इस्हाक गोरा ने कहा, 'धर्म हमें दूसरों की इज्जत करना सिखाता है, लेकिन दूसरों के धार्मिक कार्यक्रमों में शरीक होना इस्लाम के खिलाफ है। भाईचारा यह नहीं कि किसी को खुश करने के लिए अपने अकीदे (विश्वास) से समझौता किया जाए।' उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा आचरण 'मुनाफिकत' यानी दोहरी सोच को दर्शाता है, और इस्लाम ऐसे दिखावे को नापसंद करता है।

मौलाना ने कुरआन की आयत 'लकम दीनुकुम वलियदीन' का हवाला देते हुए कहा, 'तुम्हारे लिए तुम्हारा धर्म और मेरे लिए मेरा धर्म।' उन्होंने समझाया कि यह आयत स्पष्ट करती है कि इस्लाम में धार्मिक सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए।

मौलाना इस्हाक ने अपने बयान में यह भी कहा कि समाज में असली भाईचारा तब होता है जब लोग एक-दूसरे की मदद करें, न्याय करें और किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं। लेकिन दिखावे के लिए किसी पूजा में शरीक होना न भाईचारा है, न सहिष्णुता – बल्कि 'आत्मिक भ्रम' है।

अपने वीडियो के अंत में मौलाना ने मुसलमानों से अपील की कि वे अपने धर्म और पहचान को लेकर सजग रहें, और भाईचारे को केवल अच्छे व्यवहार और मदद से जोड़ें, न कि धार्मिक रीति-रिवाजों की नकल से।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में किया बड़ा ऐलान

लखनऊ को विश्वस्तरीय शहर बनाएंगे

लखनऊ **(एजेंसी)**। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि सरकार की पूरी कोशिश है कि लखनऊ को विश्वस्तरीय शहर बनाया जाए। अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन रविवार को जानकीपुरम सेक्टर-एफ में विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''लखनऊ के विकास के प्रति हमारी पूरी प्रतिबद्धता है और हमारी पूरी कोशिश है कि लखनऊ को विश्वस्तरीय शहर बनाया जाए।''

सिंह ने कहा, ''बिना ईश्वर की मर्जी के कुछ नहीं होता। हम सांसद रहें या न रहें, लेकिन लखनऊ के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कायम रहेगी। दुनिया के कई देशों में लखनऊ नाम के शहर हैं। चार दिन पहले मैं ऑस्ट्रेलिया से लौटा हूं, वहां भी लखनऊ है। लेकिन मैं चाहता हूं कि यह हमारा लखनऊ विश्वस्तर का बने।'' उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश के विकास की जहां तक बात है, जितना संभव हो सका है, मैंने करने की कोशिश की है। आज मैं जो भी काम कर पा रहा हूं, वह श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के आशीर्वाद से संभव हो रहा है।''

इस अवसर पर उन्होंने सामुदायिक केंद्र और पुस्तकालय का लोकार्पण किया, साथ ही पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं का डिविजट माध्यम से अनावरण भी किया। राजनाथ सिंह ने कहा, 'लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का कारखाना स्थापित हो चुका है, जो शहर के औद्योगिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा।'' उन्होंने कहा, ''यह सामुदायिक केंद्र हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा बनाया गया है, जो रक्षा मंत्रालय के अधीन है।

एचएएल करिश्माई कार्य कर रहा है और तीन दिन पहले नासिक में एचएएल की इकाई ने 4.5 जेनरेशन का फाइटर प्लेन तैयार किया है, जिसका उद्घाटन मैंने किया है।'' राजनाथ सिंह ने कहा कि शादी-विवाह और अन्य उत्सवों में स्थान की समस्या को देखते हुए उन्होंने संकल्प लिया है कि अपने संसदीय क्षेत्र की सभी पांचों विधानसभा क्षेत्रों मंथ एक-एक सामुदायिक केंद्र बनवाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, ''हमारी कोशिश है कि लखनऊ में ऐसा एक भी पार्क न बचे जहां ओपन जिम की व्यवस्था न हो।''

सिंह ने हवाई सेवा, रेल यातायात और परिवहन सेवा के लिए अपने प्रयासों का भी उल्लेख किया। इस समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। बाद में उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, ''आज लखनऊ में यशस्वी रक्षामंत्री एवं लखनऊ लोकसभा से जनप्रिय सांसद आदरणीय राजनाथ सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति में एलडीए द्वारा आयोजित पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय पं. अटल बिहारी वाजपेयी जी की निर्मित प्रतिमा के अनावरण एवं सामुदायिक केंद्र तथा पुस्तकालय के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ।''

हिमाचल सरकार अनाथ बच्चों के लिए नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू करेगी : मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार अनाथ और मुश्किल का सामना कर रहे बच्चों के लिए जल्द ही नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू करेगी ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने टूटीकंडी बाल आश्रम का दौरा किया। उन्होंने आश्रम के बच्चों के साथ दिवाली मनाई, उनसे बातचीत की और उपहार एवं मिठाइयां बांटीं। आश्रम के बच्चों और कर्मचारियों ने पारंपरिक मिट्टी के दीयों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उनका स्वागत किया। सुक्खू ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा, ''दिवाली की सच्ची भावना खुशी, करुणा और एकजुटता को साझा करने में निहित है। ये बच्चे हमारा भविष्य हैं और यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे प्यार, सम्मान और अवसरों के साथ बड़े हों।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अनाथ बच्चों को गोद लिया है और न केवल उनकी शिक्षा का खर्च वहन कर रही है, बल्कि उन्हें जेब खर्च के रूप में 4, 000 रुपये प्रति माह भी दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''राज्य के सभी बाल आश्रमों में आवासीय सुविधाओं को उन्नत किया जाएगा, साथ ही अन्य सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी।'' उन्होंने घोषणा की कि बाल आश्रमों के बच्चों के लिए हर साल 14 नवंबर को खेल दिवस का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए राज्य सरकार आवश्यक बजटीय आवंटन करेगी। सुक्खू ने कहा, ''बाल आश्रमों के विद्यार्थियों को बेहतर अनुभव और सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए उन्हें राज्य के बाहर शैक्षिक भ्रमण पर भेजा जाएगा।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगितासंपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को बीआरसी मंझनपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि एवं नवाचार की भावना विकसित करना था।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अंक कम या अधिक आना महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि सीखते रहना और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना सबसे आवश्यक है।उन्होंने विद्यार्थियों को लगातार आगे बढ़ने एवं विज्ञान के क्षेत्र में नई खोज करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के दौरान बच्चों से विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनके सही उत्तर देने पर उन्हें अंक प्रदान किए गए। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया।

इस ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में मंझनपुर विकासखंड के 3 प्रा वि/ कंपोजिट विद्यालय से 145 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया और लिखित परीक्षा दी जिसमें लिखित परीक्षा में 25 छात्र छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण किया इसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ 5 बच्चों का चयन हुआ जिसमें कंपोजिट विद्यालय अगियौना के छात्र अजीत कुमार को प्रथम स्थान, कंपोजिट विद्यालय अमीनपुर के छात्र उमेश कुमार को द्वितीय स्थान तथा कंपोजिट विद्यालय कुआंडीह की छात्रा दिव्यांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समस्त प्रतिभागी बच्चों को प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा स्टेशनरी किट और प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन रजनी केसरवानी एआरपी विज्ञान की देखरेख में संपन्न कराया गया। जिसमें विपिन सिंह, बालचंद्र , अजय सिंह, अनुराग श्रीवास्तव , अनूप वर्मा, आशीष कुमार शुक्ला, रोहिणी , रेखा मिथिलेश सहित कईअध्यापक भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने तहसील मंझनपुर में सुनी जनशिकायतें

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने तहसील मंझनपुर में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना-पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्रता की स्थिति में लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता, नलकूप एवं अधिशासी अभियंता, सिंचाई का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वादों के निस्तारण के प्रगति की समीक्षा कर वादों के निस्तारण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। तहसील चायल में कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा तहसील सिराथू में कुल 19 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने पटाखा बिक्री स्थल का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने आगामी त्याहार दीपावली, नरक चतुर्दशी, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, कार्तिक पूर्णिमा एवं छठ पूजा आदि के दृष्टिगत पटाखा बिक्री स्थल दुर्गा देवी इंटर कॉलेज ओसा का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने दुकानदारों को सुरक्षा मानकों की जानकारी देते हुए अपील की कि दुकानें धातु की चादरों से ही बनाई जाय। कपड़ा/कनात का उपयोग न किया जाय। दुकानों के पास अग्निशमन यंत्र, पानी एवं बालू आदि की व्यवस्था रखी जाय।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मंझनपुर सुखलाल प्रसाद वर्मा एवं क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह उपस्थित रहें।

दीपोत्सव पर कौशाम्बी पुलिस ने चलाया स्वच्छता का महाअभियान

कौशाम्बी। दीपावली पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में पुलिस कार्यों के साथ-साथ सभी थाना एवं चौकी परिसरों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु प्रत्येक रविवार को चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आज विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया।

ज्ञात हो कि रविवार को दीपावली के अवसर पर जनपद के सभी थाना/चौकियों पर नियुक्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगणों द्वारा सामूहिक श्रमदान कर साफ-सफाई का कार्य किया गया।

इस दौरान थाना/चौकी परिसर से गंदगी, कूड़ा-करकट हटाया गया। कार्यालयों में रखे महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से संजोया गया। पुलिस कर्मियों के बैरक एवं आवासीय परिसर की सफाई की गई। शस्त्रागार एवं दंगा निरोधक उपकरणों की सफाई कर उन्हें दुरुस्त किया गया।

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार ने कहा कि स्वच्छ वातावरण केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि कार्य के प्रति अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है। दीपावली जैसे पावन पर्व पर स्वच्छता का यह संकल्प न केवल परिसर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि मनोबल और सेवा भावना को भी सशक्त बनाता है। स्वच्छ परिसर में कार्य करने से कार्यकुशलता और सकारात्मकता दोनों में वृद्धि होती है। कौशाम्बी पुलिस का यह स्वच्छता अभियान प्रत्येक रविवार को निरंतर जारी रहेगा।

मेगा ऋण कैम्प में युवा उद्यमियों को वितरित किया गया ऋण

कौशाम्बी। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत एक मेगा ऋण कैम्प का आयोजन सहायक आयुक्त उद्योग की अध्यक्षता में तहसील मंझनपुर सभागार में किया गया।मंझनपुर सभागार में 89 आवेदक उपस्थित हुये, जिनमें सीएम युवा योजनान्तर्गत 36 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति कर 30 आवेदकों का ऋण वितरण की कार्यवाही की गई। इसी प्रकार मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत 01 आवेदन पत्र स्वीकृत तथा 01 आवेदन पत्र वितरण किया गया। ओडीओपी योजनान्तर्गत 01 आवेदन पत्र पर वितरण की कार्यवाही की गई। पीएमएफएमई योजनान्तर्गत 04 आवेदन पत्र स्वीकृत तथा मत्स्य विभाग के 04 के.सी.सी. आवेदन पत्रों पर स्वीकृत की कार्यवाही की गई।

मिशन शक्ति के अंतर्गत कक्षा 12 की छात्रा अलीफ़ा बानो बनी एक दिन के लिए केपीएस भरवारी की प्रिंसिपल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भरवारी स्थित कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज में 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत आज एक प्रेरणादायक पहल की गई, जिसमें विद्यालय की कक्षा 12 की छात्रा अलीफ़ा बानो को एक दिन के लिए विद्यालय की प्रिंसिपल बनने का अवसर दिया गया।

ज्ञात हो कि सुबह की असेंबली में अलीफ़ा बानो ने विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कि 'हर लड़की में आगे बढ़ने की अपार शक्ति है, बस आवश्यकता है उस शक्ति को पहचानने और सही दिशा में प्रयत्न करने की।' उनके प्रेरक विचारों से विद्यालय का वातावरण आत्मविश्वास और उत्साह से भर उठा।

इसके बाद उन्होंने शिक्षकों की मीटिंग ली, जिसमें उन्होंने विद्यालय के अनुशासन, शिक्षण-प्रक्रिया और विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा की। अलीफ़ा बानो ने दिनभर विद्यालय की सभी कक्षाओं का निरीक्षण किया, विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ जीवन में लक्ष्य निर्धारण के महत्व को समझाया।

विद्यालय प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की योग्यता को विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में समाज में सशक्त भूमिका निभा सकें।

संस्थान के चेयरमैन एवं निवर्तमान विधायक श्री संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि 'मिशन शक्ति जैसी पहल छात्राओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाती है। अलीफ़ा बानो ने आज जिस कुशलता से अपनी भूमिका निभाई, वह सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।' डायरेक्टर सीमा पवार ने कहा कि 'अलीफ़ा बानो ने आज जिस आत्मविश्वास और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया, वह हमारे विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता और छात्राओं की क्षमता का प्रमाण है। मिशन शक्ति जैसी पहल बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगी।'

इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएँ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और अलीफ़ा बानो का उत्साहवर्धन किया। यह दिन केपीएस भरवारी के इतिहास में एक सशक्तिकरण और प्रेरणा का दिन बनकर दर्ज हो गया।

जिलाधिकारी ने दिव्यांग राजकली को ट्राई साइकिल प्रदान कर किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार को तहसील मंझनपुर में दिव्यांग राजकली निवासी-बलीपुर को ट्राई साइकिल प्रदान किया। इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विकास वर्मा उपस्थित रहें।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के जनता दर्शन में दिव्यांग राजकली निवासी-बलीपुर ने प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या बताते हुए ट्राई साइकिल, प्रधानमंत्री आवास एवं शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराये जाने की माग की थी। उन्होंने दिव्यांग की समस्या को गम्भीरता से सुनकर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी एवं परियोजना निदेशक को निर्देशित किया था कि शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर दिव्यांग को लाभान्वित किया जाय। दिव्यांग को प्रधानमंत्री आवास/शौचालय के लाभ के लिए ऑनलाइन आवेदन करा दिया गया हैं। शीघ्र ही आवास एवं शौचायल की सुविधा से लाभान्वित कर दिया जाएगा।

पटाखा/बारूद की दुकानों का निरीक्षण कर दिए गए सुरक्षा संबंधी निर्देश

कौशाम्बी। दीपावली पर्व पर अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह द्वारा ओसा, मंझनपुर स्थित पटाखा/बारूद की दुकानों का निरीक्षण किया गया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को अग्नि सुरक्षा उपायों के पालन, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं उनके सही उपयोग की विधि के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही पटाखा विक्रेताओं को सुरक्षा मानकों का पूर्णतः अनुपालन करने एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने हेतु निर्देशित किया गया।

शौच के लिए निकले अधेड़ की तालाब में डूबने से मौत, परिजनों में मचा कोहराम

कौशाम्बी। जिले में शनिवार की शाम शौच के लिए निकले अधेड़ का तालाब में उतराता हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया, घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुटी हुई है। घटना चरवा थाना क्षेत्र के चौराडीह गांव की है जहा गांव के तेजी (55 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय शिवनाथ शाम करीब 8 बजे शौच के लिए गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे तालाब में गिर कर डूब गए।

ट्रांसफॉर्मर फुंकने पर अब दारानगर नगर पंचायत में नहीं रहेगा अंधेरा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम वासियों को अब ट्रांसफॉर्मर फुंकने की समस्या से राहत मिलने जा रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष रागिनी अरुण केसरवानी ने बिजली आपूर्ति को सुचारु एवं निर्बाध बनाए रखने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए नगरवासियों के लिए 450 केवीए क्षमता का ट्रॉली ट्रांसफॉर्मर मंगवा लिया है। इसकी जानकारी नगर वासियों को हुई तो खुशी की लहर दौड़ गई है। शुक्रवार देर रात नगर पंचायत परिसर में 450 केवीए का ट्राली ट्रांसफॉर्मर पहुंचा। इसके पहुंचते ही नगर में हर्ष का माहौल देखने को मिला। अध्यक्ष रागिनी अरुण केसरवानी ने बताया कि नगर क्षेत्र में आए दिन ट्रांसफॉर्मर जलने की शिकायतें मिलती रहती हैं।

ऐसे में वर्कशॉप से नया ट्रांसफॉर्मर आने में दो से तीन दिन का समय लग जाता है। इस दौरान नगरवासियों को अंधेरे रहने के साथ-साथ पानी की परेशानी, बच्चों की पढ़ाई एवं विद्युत आधारित कार्यों के प्रभावित होने जैसी तमाम समस्याओं से जूझना पड़ता था। अब किसी भी वार्ड में ट्रांसफॉर्मर खराब होने पर इस ट्रॉली ट्रांसफॉर्मर को तत्काल लगाया जा सकेगा, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हुए बिना जारी रह सकेगी। इससे बिजली से जुड़े उपभोक्ताओं के सभी कार्य अब प्रभावित नहीं होंगे। अध्यक्ष ने कहा कि नगर पंचायत प्रशासन का प्रयास है कि हर वार्ड में मूलभूत सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध रहें ताकि किसी भी स्थिति में नगरवासियों को असुविधा न हो। नगर के सभासद राहुल कुशवाहा, शोएब खान, सुलभ मिश्र, जनमणि तिवारी, रुपैया लाल पंडा, रामशंकर मोदनवाल आदि नगर वाशियों ने अध्यक्ष रागिनी अरुण केसरवानी की इस दूरगामी सोंच की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कदम नगर की सुविधा व्यवस्था को एक नई दिशा देगा।

दुष्कर्म पीड़िता के नवजात का तालाब में उतराया मिला शव

कौशाम्बी। दुष्कर्म पीड़िता की कोख से जन्मी नवजात बच्ची का शव रविवार दोपहर उसी के गांव स्थित तालाब में उतराता मिला। आरोप है कि चचेरे भाई ने ही दुराचार किया था। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो का मुकदमा कायम किया है। नवजात की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए लाश पोस्टमार्टम के लिए भेजी गई है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। दुराचार के आरोपी की तलाश की जा रही है। सरायअकिल थाना क्षेत्र की एक 19 वर्षीय युवती ने 16 अक्तूबर को बेटी को जन्म दिया था। अविवाहित युवती के मां बनने पर परिजनों ने पूछताछ की तो उसने बताया कि चचेरे भाई ने डरा-धमकाकर कई बार दुराचार किया है।

मामले में पीड़िता के सगे भाई ने उसी रोज कनैली चौकी पुलिस को तहरीर दी थी। आरोप है कि पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझौता करा दिया था। दूसरे दिन पीड़ित भाई ने स्थानीय थाने पर जाकर तहरीर दी। पुलिस आरोपों की जांच कर रही थी, इसी बीच रविवार की दोपहर दुष्कर्म पीड़िता की कोख से जन्मी नवजात बच्ची का शव घर से थोड़ी दूर पर स्थित तालाब में उतराता हुआ मिला। ऐसे में लोगों ने हत्या कर लाश फेंकने की आशंका जाहिर करनी शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही आननफानन दुष्कर्म व पॉक्सो का मुकदमा कायम कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। फिलहाल वह घर से फरार बताया जा रहा है। वहीं, सरायअकिल एसएचओ आशुतोष सिंह का कहना है कि दुष्कर्म व पॉक्सो का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कराई जा रही है। मुकदमे में नवजात का शव मिलने का जिक्र है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हत्या जैसी बात सामने आई तो धारा तरमीम कर उस हिसाब से कार्रवाई की जाएगी।

महिला प्रधान की देवरानी से घर में घुसकर छेड़खानी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ग्राम प्रधान की देवरानी से घर में घुसकर तमंचे के दम पर छेड़खानी की गई। आरोपी ने अपने भाई-भतीजे व साथियों के साथ फिर से गाली-गलौज किया तो पीड़िता ने शुक्रवार को मामले की तहरीर पुलिस को दे दी। एसपी ने जांच कराने के बाद कार्रवाई की बात कही है। मंझनपुर इलाके की एक महिला ने बताया कि उसकी जेठानी ग्राम प्रधान हैं। पीड़िता की मानें तो आठ अक्तूबर की शाम वह अपने घर पर मवेशी को चारा दे रही थी। जबकि, पति खेतों की ओर गए थे। आरोप है कि इस दौरान गांव का ही एक युवक घर में घुस आया। पहले उसने पति के बारे में पूछताछ की। इसके बाद सूनेपन का फायदा उठाते हुए महिला की कनपटी पर तमंचा सटा दिया और छेड़खानी शुरू कर दी। शोर मचाने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता के मुताबिक प्रधान पति यानी जेठ के समझाने पर मामले की शिकायत कहीं नहीं की गई थी। इसकी वजह से आरोपी का हौसला बढ़ गया। 13 अक्तूबर को उसने अपने भाई, भतीजे व पांच अन्य लोगों के साथ पीड़िता के दरवाजे पर खड़े होकर गाली-गलौज किया। शिकायत करने पर हत्या कराने की धमकी दी। इस पर पीड़िता ने तहरीर दे दी। इस संबंध में एसपी राजेश कुमार का कहना है कि आरोप गंभीर हैं। जांच कराने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पटाखा बिक्री स्थल पर सुरक्षा के सभी मानकों का हो अनुपालन-डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज व छठ पूजा आदि त्योहारों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने के लिए सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट व सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। इनके साथ शुक्रवार को सम्राट उदयन सभागार में डीएम मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में बैठक हुई। डीएम ने सुपर जोनल, जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत पटाखा बिक्री स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा के सभी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करा लिया जाए। पटाख़े की दुकानें कपड़े से न बनी हो, सुनिश्चित कर लिया जाय। पटाखें की दुकानें, धातु की चादर से ही अवश्य बनी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित कर लिया जाए कि पटाखें की दुकान आमने-सामने न लगी हो, दुकानों के बीच पर्याप्त दूरी होनी चाहिए। क्षमता से अधिक दुकानें, एक ही स्थान पर नहीं लगी होनी चाहिए। पटाखें की दुकानें, पटाखा बिक्री स्थल के लिए चिन्हित स्थानों पर ही लगी होनी चाहिए। सुपर जोनल, जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट से कहा कि ड्यूटी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ किया जाय। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाय। अपने क्षेत्र की संपूर्ण जानकारी रखें तथा अपने पास अग्निशमन अधिकारी, चौकी प्रभारी, क्षेत्राधिकारी एवं उप जिलाधिकारी का मोबाइल नंबर अवश्य रखें। पटाखा भंडारण स्थल का भी निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करा लिया जाय। क्षेत्र भ्रमण के दौरान आमजन से संवाद बनाए रखा जाय। सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी को पटाखा बिक्री स्थल एवं मुख्य बाजारों के आसपास एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित रखने एवं चिकित्सकों को अलर्ट रखने के निर्देश दिए।

सरकारी विद्यालय में फर्स्ट एड बॉक्स में मिली कई साल पुरानी दवाएं

कौशाम्बी। कड़ा ब्लॉक के चक कोरियों पूरे फैज स्थित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के स्वास्थ्य के साथ लापरवाही की जा रही है। विद्यालय में बच्चों की छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए रखे गए फर्स्ट एड बॉक्स में कई साल पुरानी और एक्सपायर हो चुकी दवाइएं पाई गईं। इस खुलासे के बाद अभिभावकों में भारी नाराजगी है। सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विद्यालयों को दवाइयों की खरीद के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाती है, ताकि स्कूल आने वाले बच्चों को चोट लगने पर तत्काल उनका इलाज किया जा सके। धनराशि मिलने के बावजूद प्राथमिक विद्यालय चक कोरियों पूरे फैज के जिम्मेदारों ने नई दवाएं खरीदीं और न ही वर्षों पुरानी दवाओं को हटाने की जहमत उठाई।

स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि जिम्मेदारों की यह लापरवाही बच्चों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। विद्यालय प्रशासन की इस लापरवाही ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जिम्मेदार विद्यालयों का निरीक्षण करते हैं पर उनकी भी नजर फर्स्ट एड बॉक्स में रखी एक्सपायर दवाओं पर नहीं पड़ी। वहीं, बीईओ कड़ा नीरज उमराव का कहना है कि विद्यालय में रखे फर्स्ट एड बॉक्स में एक्सपायर दवा का होना बड़ी लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर करता है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। कड़ा ब्लॉक के सभी विद्यालयों के फर्स्ट एड बॉक्स की अभियान के तहत जांच की जाएगी। जहां भी लापरवाही पाई जाएगी संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

क्विज में पांच बच्चों का जिले स्तर पर हुआ चयन

कौशाम्बी। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को बीआरसी सिराथू में किया गया। शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान विषय को रुचिपूर्ण ढंग से पढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों से विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने पर उन्हें अंक प्रदान किए गए। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में सिराथू विकास खंड के जूनियर व कंपोजिट विद्यालय से 150 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग करते हुए लिखित परीक्षा दी।

जिसमें लिखित परीक्षा में 25 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण किया। इसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ पांच बच्चों का चयन हुआ0 जिसमें कंपोजिट विद्यालय गिरसा के छात्र अनुराग दुबे को प्रथम स्थान, उच्च प्राथमिक विद्यालय जमालमऊ के छात्र देवा प्रजापति को द्वितीय व कंपोजिट विद्यालय देवरापर के छात्र राजू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहिउद्दीनपुर बेला के छात्र राजू पटेल को चौथा स्थान और कंपोजिट विद्यालय बसोहनी के छात्र प्रभांशु को पांचवां स्थान मिला। समस्त प्रतिभागी बच्चों को प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा स्टेशनरी किट और प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन एआरपी आराधना तिवारी की देखरेख में संपन्न कराया गया।

धनतेरस पर रुपये की हुई बारिश, जमकर हुई खरीदारी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। खरीदारी के शुभ पर्व धनतेरस पर शनिवार को जिले भर की बाजारें गुलजार रहीं। देर शात तक बाजारों में चहल-पहल रही इससे कारोबारियों के चेहरे खिले रहे। 65 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ। महंगाई की आशंका से गुजर रहे व्यापारियों को ग्राहकों ने निराश नहीं किया। बाजारों में सुबह से लेकर देर शाम तक रुपये की बारिश होती रही। धनतेरस पर्व पर खरीदारी के लिए व्यापारियों ने पूरी तैयारी कर रखी थी। धनतेरस पर्व सामान की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो खरीदारी के लिए इस दिन का इंतजार करते हैं बड़ी रकम खर्च कर सामान अपने घर ले जाते हैं।

अमूमन हर व्यक्ति कुछ न कुछ खरीदता है। सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बाजार को सजाया गया था। मंझनपुर जिला मुख्यालय, भरवारी, सरायअकिल, मनौरी, पश्मिशरीरा, सिराथू, अजुहा आदि बाजारों में व्यापारियों ने दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया था। बर्तन, इलेक्ट्रानिक, आटो मोबाइल, कार, ट्रैक्टर, फर्नीचर आदि की दुकानों पर सुबह से लेकर शाम तक लोगों की भीड़ रही। देर शाम व्यापारियों ने बताया कि कुल बाजार 65 करोड़ रुपये का रहा। पिछली बार 55 करोड़ रुपये की अनुमानित खरीदारी थी। यह आंकड़ा अबकी बार करेगा, ऐसा व्यापारियों ने नहीं सोचा था। इसकी एक नहीं तमाम वजह थी। महंगाई की आशंका को लेकर व्यापारी संशकित था, लेकिन ग्राहकों ने जिस तरह से उत्साह दिखाया, उससे व्यापारियों ने राहत की सांस ली है।

स्वच्छता और समर्पण का समन्वय : विशेष अभियान 5.0 उत्तर मध्य रेलवे का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने विशेष अभियान 5.0 के तहत एक श्रृंखला में प्रभावी पहल की हैं। यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक सम्पूर्ण भारतीय रेलवे में मनाया जा रहा है। इस अभियान का लक्ष्य सभी कार्यालयों, स्टेशनों, वर्कशॉप्स तथा अन्य सेवा केन्द्रों पर स्वच्छता की समग्रता हासिल करना, रिकॉर्ड प्रबंधन की कार्यकुशलता, स्क्रैप एवं ई-कचरे का व्यवस्थित निस्तारण और अमृत सम्वाद कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करना है।

महाप्रबंधक, उ.म.रे नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में उत्तर मध्य रेलवे इस अभियान को एक मिशन के रूप में संचालित कर रहा है, जिसमें निरंतर स्वच्छता और दक्षता में सुधार पर बल दिया जा रहा है। तीनों मण्डलों के सभी स्टेशनों पर नियमित सफाई के अतिरिक्त, सभी स्टेशनों पर ट्रैक, प्लेटफॉर्म, पेंट्री कार, जल कूट, शौचालय, प्रतीक्षालय, रिटायरिंग रूम, फूड स्टॉल, पैंट्री कारों और कार्यालयों को शामिल करते हुए प्रतिदिन गहन स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई मित्रों ने स्वच्छता की शपथ लेकर स्वच्छ एवं यात्री-हितैषी रेलवे परिसर बनाए रखने के अपने संकल्प को पुनः दोहराया है।

इस अभियान की एक मुख्य बिंदु बना 'अमृत सम्वाद' पहल - जो रेलवे और उसके यात्रियों के बीच एक सेतु का कार्य कर रही है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर आयोजित यह अनूठी पहल रेलवे अधिकारियों और नागरिकों के बीच सीधे संवाद का एक मंच प्रदान करती है, जिसका

उद्देश्य सेवा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिक्रिया एवं सुझाव एकत्रित करना है। इन संवादों के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किए गए बुनियादी ढाँचे के उन्नयन को भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें उन्नत प्रतीक्षा क्षेत्र एवं शौचालय, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एस्केलेटर और लिफ्ट, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' की ओर दिव्यांगजन यात्रियों के लिए बेहतर पहुँच जैसे कार्य शामिल हैं।

अभियान की भावना पर प्रकाश डालते हुए उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि स्वच्छता कोई एक बार का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाला अभ्यास है जो संगठनात्मक अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'इस अमृत काल में माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप, उत्तर मध्य रेलवे ने स्वच्छता और स्थिरता को वर्षभर चलने वाले मिशन के रूप में अपनाया है। 1 से 15 अगस्त के बीच 172 स्टेशनों पर गहन स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की गईं और 42, 000 से अधिक पेड़ लगाए गए। इसके बाद 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' के दौरान 8, 332 सीटीयू स्थानों की सफाई की गई और जागरूकता अभियान चलाए गए। विशेष अभियान 5.0 के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित रेलवे का निर्माण करना चाहते हैं।'

विशेष अभियान 5.0 के तहत इन निरंतर प्रयासों के साथ, उत्तर मध्य रेलवे स्वच्छता, स्थिरता और नागरिक सहभागिता में उच्च मानदंड स्थापित करता जा रहा है - और 'स्वच्छ रेल, स्वस्थ भारत' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहरा रहा है।

बच्चों ने बनाई रंगोली जलाये दिए और मनाई दिवाली

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज में आज धनतेरस पर्व पर बच्चों ने विविध प्रकार की रंगोली बनाई, दिए जलाए और लक्ष्मी गणेश की पूजा किया। शनिवार को विद्यालय में दीपावली के पहले अंतिम शैक्षणिक कार्य दिवस था। बच्चों ने दीपावली से संबंधित आकर्षक रंगोली बनाई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी ने कहा कि दीपावली स्नेह, उल्लास और भाई चारे का पर्व है जिसे हम सभी हर्ष और उल्लास से मनाते हैं। उन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना किया।इस अवसर पर उन्होंने रसोइयों को दीपावली का उपहार प्रदान किया और सबको सुरक्षित दीपावली उत्सव मनाने की बधाई दिया।इस अवसर पर विद्यालय के भारतेन्द्र त्रिपाठी, सुनील कुमार शुक्ल, इरफ़ान अहमद, नाज़िया सुल्ताना, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता, राकेश कुमार, पूनम तिवारी, पंकज कुमार गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

मेला देखने पहुंची किशोरी से अश्लील हरकत विरोध करने पर परिजनों को पीटा

चार नामजद, एक अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के हेता पट्टी दशहरा मेले में किशोरी के साथ अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपियों ने किशोरी की मां और परिजनों को गाली-गलौज करते हुए लोहे की रॉड से मार पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर चार नामजद और एक अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, फैजुल्लापुर गांव निवासी संगीता देवी पत्नी रामसिंह अपनी किशोरी पुत्री अन्य परिजनों के साथ हेतपट्टी दशहरा मेला देखने गई थीं। इस दौरान हेता पट्टी बाजार के ही प्रदीप केसरवानी पुत्र अशोक केसरवानी ने किशोरी के साथ अश्लील हरकत की। जब किशोरी ने विरोध किया तो प्रदीप और उसके परिजन सुनील कुमार केसरवानी, पवन कुमार केसरवानी, अशोक कुमार केसरवानी तथा एक अन्य अज्ञात व्यक्ति ने मां-बेटी संहित अन्य परिजनों को गाली-गलौज करते हुए हमला बोल दिया।आरोप है कि हमलावरों ने लोहे की रॉड से मारपीट कर पीड़िता की मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। घायल महिला को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।थरवई पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना तीन दिन पहले की है पुलिस ने रिपोर्ट रविवार को दर्ज किया है।

विकसित भारत के लिए गांव के अंतिम पायदान तक पहुंचे विकास की किरण - गुरु प्रसाद

देश के विकास के लिए उत्तर प्रदेश का समृद्ध होना आवश्यक- प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में शनिवार को विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान के अंतर्गत विकसित उत्तर प्रदेश 2047 हमारा प्रयास और संभावनाएं विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक, फाफामऊ विधानसभा ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश के लिए यह जरूरी है कि गांव के अंतिम पायदान पर विकास हो। विकसित भारत के लिए आर्थिक, शैक्षिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, स्वच्छता, स्वास्थ्य , स्वच्छ पर्यावरण, जल, बिजली, रोजगार की व्यवस्थाएं समुचित होना चाहिए। जनप्रतिनिधि श्री मौर्य ने कहा कि सरकार लघु कालीन एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के लिए कार्य कर रही है जिससे प्रदेश एवं राष्ट्र का विकास हो। पर्यावरण के संरक्षण के लिए मां के नाम एक पेड़ लगाने की पहल सरकार कर रही है और यह वर्तमान में जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इसी प्रकार जल संरक्षण एवं जैविक खेती के विकास के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। अनावृष्टि, अतिवृष्टि, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, रसायनों का प्रयोग पर्यावरण के लिए संकट है। इस पर रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति महिलाओं के लिए समृद्धि एवं विकास के लिए योजना है। आज वरिष्ठ नागरिकों जिनकी उम्र 70 वर्ष के ऊपर है, सरकार उनके मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड जारी कर रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि देश के विकास के लिए उत्तर प्रदेश का समृद्ध होना बहुत आवश्यक है। राम, कृष्ण, तुलसी , कबीर , जायसी सभी यहीं उत्तर प्रदेश की भूमि से हैं। सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक

दृष्टि से यह सबसे मजबूत प्रदेश है। प्रदेश के विकास के लिए सभी को एकजुट होना होगा। वर्तमान में उत्तर प्रदेश उद्योग और विकास में भी महत्वपूर्ण स्थान बना रहा है। विकास ने उत्तर प्रदेश के द्वार खोल दिए हैं। आर्थिक रूप से और कृषि संपन्न इस प्रदेश में अनेक ऐसी सरकारी या प्रशासनिक योजनाएं चल रही है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हमारे फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति का शिक्षित होना आवश्यक है। ऐसी योजनाएं बनाई जानी चाहिए जिससे जन-जन कल्याण के साथ-साथ प्रति व्यक्ति तक शिक्षा पहुंचे । इसी दिशा में मुक्त विश्वविद्यालय में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए पोषण एवं बाल शिक्षा पर आधारित पाठ्यक्रम चलाया गया है, जिसमें सभी आंगनबाड़ी महिलाओं के नामांकन के लिए जन सहयोग और शासन के सहयोग की आवश्यकता है। पर्यावरण की चिंता के लिए जागरूक रहना आवश्यक है।

वेबीनार/ सेमिनार के समन्वयक आचार्य विनोद कुमार गुप्त ने वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया । इस अवसर पर श्री अनुराग शुक्ला द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्रा ने किया। संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया।

जगुआर कार ने कई लोगों को कुचला, दो गाड़ियों में भी मारी टक्कर, एक की मौत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दिवाली की पूर्व संध्या पर प्रयागराज में हादसा हो गया। राजरूपपुर में रविवार शाम दीवाली के बाजार में भीड़ के बीच एक जगुआर कार बेकाबू होकर तेज रफ्तार में घुस गई जिसकी चपेट में आकर एक शख्स की मौत हो गई और करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। तीन चारपहिया व आधा दर्जन दोपहिया वाहनों को भी टक्कर मारते हुए जगुआर सड़क किनारे फास्ट फूड के ठेले से टकरा गई। आक्रोशित लोगों ने जगुआर कार में तोड़फोड़ करने के बाद चक्काजाम कर दिया। कार चालक के नशे में धुत होने का आरोप लगाया गया। घटनास्थल पर डीसीपी समेत कई थाने की पुलिस फोर्स पहुंच गई। घायलों और कार चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम लगभग साढ़े चार बजे राजरूपपुर बाजार में अचानक तेज रफ्तार जगुआर कार सड़क किनारे खड़ी तीन कारों और चार बाइक को टक्कर मारते हुए बढ़ती चली गई। बेकाबू गाड़ी ने आठ लोगों को भी टक्कर मार दी। जगुआर के नीचे आने से 55 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन प्रदीप पटेल की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं 40 वर्षीय उमेश व उसका दस वर्षीय पुत्र आयुष के अलावा विजय चौरसिया, सुनील शर्मा, बबलू समेत अन्य लोग घायल हो गए।

अचानक हुए हादसे से बाजार में खरीदारी करने आए लोगों में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने जगुआर में जमकर तोड़फोड़ की। कार चालक रचित मध्यान की भी लोगों ने पिटाई करने की कोशिश की, लेकिन पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे बचा लिया। आक्रोशित लोगों ने राजरूपपुर चौराहे पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर चक्काजाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य समेत धूमनगंज, कैंट, खुल्दाबाद समेत कई थाने की पुलिस फोर्स पहुंच गई। डीसीपी ने आक्रोशित लोगों को उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। सभी घायलों समेत कार चालक रचित मध्यान को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

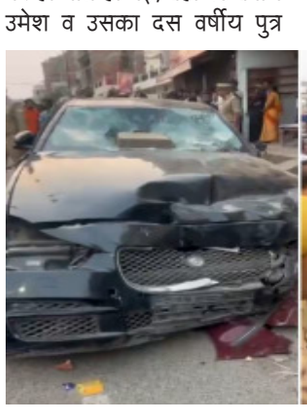

डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया, राजरूपपुर में बेकाबू गाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। कार चालक समेत हादसे में अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

देरी के कारण अनुकंपा नियुक्ति से इनकार उचित नहीं, हाईकोर्ट ने रद्द किया बिजली विभाग का आदेश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने देरी के आधार पर निरस्त किए गए अनुकंपा नियुक्ति के मामले में कहा कि नाबालिग के मामले में विभाग को तकनीकी (देरी) आधार पर अनुकंपा नियुक्ति से इनकार नहीं करना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान ने वैभव कुमार यादव की याचिका पर उसके अधिवक्ता गोपालजी खरे को सुनकर दिया है। कोर्ट ने मामले की पहली ही सुनवाई में राहत देते हुए विद्युत वितरण खंड शिकोहाबाद के कार्यकारी अभियंता का आदेश रद्द कर दिया। साथ ही याची वैभव कुमार यादव के आवेदन पर चार सप्ताह के भीतर पुनः विचार करते हुए सकारण आदेश करने का निर्देश दिया। एडवोकेट गोपाल जी खरे ने कोर्ट को बताया कि याची के पिता बिजली विभाग में कुशल श्रमिक के पद पर कार्यरत थे। सेवा के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई। उस समय वैभव मात्र 11 वर्ष और उसका छोटा भाई पांच वर्ष से भी कम उम्र का था। दोनों की मां का निधन पहले ही हो चुका था। ऐसे में दोनों बच्चों का पालन-पोषण उनकी दादी ने किया। वैभव ने वयस्क होने पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया लेकिन विभाग ने यह कहते हुए आवेदन निरस्त कर दिया कि यह कर्मचारी की मृत्यु की तिथि से पांच वर्ष बाद दिया गया है जो नियमों के विरुद्ध है।

अधिवक्ता गोपाल जी खरे ने अपनी दलील में कहा कि यह आदेश पूर्णतः असंवेदनशील है क्योंकि याची उस समय नाबालिग था और परिवार की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। उन्होंने गणेश शंकर शुक्ल के

मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि जब कोई आश्रित संतान नाबालिग हो, तब देरी को तकनीकी आधार बनाकर न्याय से वंचित नहीं किया जा सकता। अधिवक्ता ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य मृतक कर्मचारी के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करना है न कि उन्हें कानूनी औपचारिकताओं में उलझाकर निराश करना।

सरकारी एवं विभागीय वकीलों ने तथ्यों का विरोध नहीं किया और माना कि प्रकरण सुप्रीम कोर्ट के उक्त निर्णय से आच्छादित है। इस पर कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए याची की अनुकंपा नियुक्ति के मामले में विद्युत वितरण खंड शिकोहाबाद के कार्यकारी अभियंता का आदेश रद्द कर दिया और उन्हें उक्त आवेदन पर सकारण आदेश करने का निर्देश दिया।

धनतेरस पर प्रयागराज में रिकॉर्ड तोड़ खरीदारी, आंकड़े देखकर दंग रह जाएंगे

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दीपावली मनाने के लिए जिले के बाजारों में अभूतपूर्व धूम दिखी। धनतेरस के खास मौके पर क्या शहर, क्या गांव, गली-गली की दुकानों में ग्राहक खरीदारी करते नजर आए। ज्वेलरी, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन और पूजा सामग्री खरीदने के लिए दुकानों पर लंबी कतारें लगी रहीं। शनिवार को जिले में जमकर धनवर्षा हुई। देर शाम तक 1600 करोड़ से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है। गौरतलब है कि शनिवार का दिन होने से कल ऑटोमोबाइल सेक्टर में बुकिंग तो हुई, लेकिन गाड़ियां आज रविवार को घरों में पहुंची।

बाजारों में उमड़ी भीड़, ग्राहकों में दिखा उत्साह

जीएसटी के नए स्लैब 2.0 और कंपनियों की छूट का बोर्ड लगाकर दुकानों को भव्यता से सजाया गया था। बड़े शोरूमों से ग्राहकों को शॉपिंग के लिए छूट के मैसेज भी पहले ही भेजे गए थे। शनिवार सुबह से ही बाजारों में हलचल शुरू हो गई थी। सिविल लाइंस, चौक और कटरा में दोपहर से लेकर रात तक भीड़ के कारण जाम की स्थिति बनी रही। महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। मोल-भाव के साथ-साथ बड़े शोरूमों में किस्तों पर भी सामान बिक रहे थे।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) यूपी के अध्यक्ष महेंद्र गोयल ने बताया कि इस बार धनतेरस शनिवार को पड़ने के कारण यह पर्व तीन दिन चलेगा। शुक्रवार को बाजारों में बूम थी। शनिवार होने से ऑटोमोबाइल सेक्टर में थोड़ी मंदी नजर आई। इन तीन दिनों में करीब ढाई हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। वहीं, शनिवार को सिर्फ धनतेरस पर ही 1600 करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान है।

रेलवे की रफ्तार पर ब्रेक, स्पेशल ट्रेनों की देरी से यात्रियों में हाहाकार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दीवाली पर घर पहुंचने की हड़बड़ी में यात्रियों की परेशानी दोगुनी हो गई। एक ओर जहां भीड़ ने सफर को मुश्किल बना दिया, वहीं दूसरी ओर स्पेशल ट्रेनों की लेटलतीफी ने यात्रियों को घंटों तक प्लेटफार्मों पर भटकाया। नई दिल्ली से प्रयागराज पहुंचने वाली रूटीन की ट्रेनों में भयंकर भीड़ के कारण यात्रियों ने एक्स और हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कर मदद मांगी। प्रयागराज रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन दोनों जगह यात्रियों की भारी भीड़ नजर आई।

प्रयागराज एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों में यात्रियों की भयंकर भीड़ रही। वहीं दिल्ली, मुंबई और बिहार रूट की कई स्पेशल ट्रेनें तय समय से घंटों विलंब से पहुंच रही है। गाड़ी संख्या 09570 बरौनी राजकोट स्पेशल 15 घंटे 20 मिनट, 04152 लोकमान्य तिलक कानपुर स्पेशल 13 घंटे 10 मिनट, 15484 सिक्किम महानंदा 8 घंटे 50 मिनट, 01482 दानापुर पुणे 6 घंटे 30 मिनट, जबकि 03257 दानापुर आनंद विहार 2 घंटे 30 मिनट देर से प्रयागराज पहुंची।

इस देरी के कारण यात्रियों को स्टेशन पर फर्श पर बैठकर इंतजार करना पड़ा। इससे पहले रविवार सुबह प्रयागराज एक्सप्रेस, हमसफर समेत अन्य ट्रेनों से पहुंचे यात्रियों ने ट्रेन से उतरने के बाद राहत की सांस ली। रेलवे प्रशासन ने जंक्शन पर सुरक्षा बढ़ाते हुए जीआरपी और आरपीएफ के जवानों की तैनाती कर दी है और सीसीटीवी कैमरों से भीड़ पर निगरानी रख रही है।

करंट की चपेट में आने से प्रतियोगी छात्र की मौत, घर में मचा कोहराम

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के मथुरा पारनडीह गांव में रविवार सुबह करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी प्रकाश (23) पुत्र लव कुमार अपने चाचा सुनील कुमार को बचाने के प्रयास में करंट की चपेट में आ गया। बताया गया कि बीती रात सुनील कुमार ट्रैक्टर की बैटरी को चार्ज कर रहे थे, इसी दौरान वे करंट की चपेट में आ गए। उन्हें बचाने के लिए दौड़े प्रकाश को भी जोरदार करंट लगा, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया।घायल अवस्था में परिजन प्रकाश को इलाज के लिए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक प्रकाश दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था और दो दिन पूर्व ही अपने गांव आया था। उसके पिता लव कुमार माध्यमिक शिक्षा परिषद, बरेली में बाबू के पद पर कार्यरत हैं। मृतक इकलौता था बेटे की असामयिक मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया, सैकड़ों भक्तों ने ग्रहण किया महाप्रसाद

थरवई (प्रयागराज)। थरवई क्षेत्र में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भक्तिमय माहौल में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।स्थानीय रामलीला बाग स्थित हनुमान मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और बजरंगबली के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।कार्यक्रम के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने श्रद्धालुओं की सेवा में पूर्ण समर्पण के साथ योगदान दिया।हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

सम्पादकीय

बिहार की नई राजनीतिक करवट से विकास और सुरक्षा की मिलेगी गारंटी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025, कई मायने में राष्ट्रीय और सूबाई राजनीति को प्रभावित करेगा, क्योंकि 2026 में पश्चिम बंगाल और 2027 में उत्तरप्रदेश में भी विधान सभा चुनाव होने हैं। यही नहीं, पूर्वी भारत की सुरक्षा को भी यह चुनाव सुनिश्चित करेगा। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की रीति-नीति, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का अंतर्कलह और मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज द्वारा उठाए हुए मुद्दे गहरा असर डालेंगे। वहीं, एआईएमआईएम और अन्य छुटभैये दलों की कोशिशें मतदाताओं के मनोमिजाज पर क्या रंग जमाएंगी और अपने साइलेंट मतदान ट्रेंड से वो क्या गुल खिलाएंगे, इसका पता तो 14 नवंबर को ही पता लग पायेगा, क्योंकि राजनीतिक रूप से यह प्रदेश बहुत ही जागरूक प्रदेश है। महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे आम बिहारियों के दिल मे अब सामाजिक न्याय से भी ज्यादा हिंदुत्व की लहरें उफान मार रही हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि इस्लामिक देशों और चीन-अमेरिका के सहयोग से बनने वाले 'ग्रेटर बंगलादेश' से शांतिप्रिय बिहार भविष्य में गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मूकश्मीर की तरह ही युद्ध भूमि भी बन सकता है।

बिहार के लोगों को यह भी पता है कि उनके पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिन अल्पसंख्यकों की राजनीति कर रहे हैं, उससे बंगलादेश का षड्यंत्र सफल हो या न हो, लेकिन पूर्वी भारत निकट भविष्य में रक्तरंजित भी हो सकता है। इसलिए विकसित, समृद्ध और ज्ञान की संस्कृति की रक्षा के लिए बिहार वासी कुछ ठोस व कड़ा निर्णय भी ले सकते हैं। उन्हें पता है कि इंडिया गठबंधन के राजद, कांग्रेस, भाकपा माले, वीआईपी, वामपंथी दलों की विचारधारा भी पाकिस्तान-बंगलादेश की सरकारों से काफी मिलती जुलती है। इसलिए यदि इन्हें नहीं रोका गया तो संभव है कि भविष्य में ये लोग बिहार को भी उसमें शामिल करवा दें।

ऐसा इसलिए कि टीवी स्क्रीन और सोशल मीडिया पर इंडिया गठबंधन के नेताओं के जो हिन्दू विरोधी बयान और कार्यप्रणाली सामने आती रहती है, इससे बिहार के मतदाता अपने राज्य के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। बीते वर्षों में उन्होंने महसूस किया है कि राज्य में जंगलराज (2000-2005) का पर्याय बन चुका राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का कुनबा और उनके सरदार तेजस्वी यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री जनता दल यूनाइटेड के नेता व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से ब्रेक के बाद सत्ता में आ जाते हैं, इसलिए इसबार ऐसा रणनीतिक मतदान किया जाए कि ऐसी किसी सियासी बात की संभावना भी नहीं बचे।

बिहार से जुड़े सूत्र बताते हैं कि सूबे में भाजपा के अलावा जनसुराज का प्रदर्शन अच्छा हो सकता है, क्योंकि लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की कारगुजारियों से प्रबुद्ध बिहारी बहुत ही नाराज चल रहे हैं और ग्राम स्तर पर वह नए बिहार का निर्माण करने के लिए एक मुहिम चला रहे हैं। यह गैर धार्मिक और गैर जातीय मुहिम है, जिसका मकसद बिहार के विकास और किसी भी अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से बिहार की सुरक्षा की बात उनके एजेंडे में है। यही वजह है कि राष्ट्रवादी भाजपा और उसके सहयोगियों के अलावा जनसुराज के प्रत्याशियों की ओर वे करवट ले रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि आपसी दांवपेंच से परेशान एनडीए के नेताओं और बिखरे या कई सीटों पर आपस में ही नूराकुश्ती करने वाले इंडिया गठबंधन के नेताओं के अलावा जो नया विकल्प मौजूद है, उसे ही इस बात मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी मिलने लायक जनसमर्थन दे दिया जाए, इससे राष्ट्रवादी सरकार के बनने और जनहित के मुद्दे पर उसे सक्रिय करने की गारंटी मिल जाएगी। इसलिए सच कहूं तो राजनीतिक अहंकार और बुद्धिजीवियों की बिखरी टंकार के बीच बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की चुनावी लड़ाई दिलचस्प होने जा रही है। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा, बुद्धिजीवियों की निर्दलीय और सर्वदलीय राजनीतिक मुहिम तेज होती जाएगी। सीट बंटवारे में जो कलह दिखाई दी, उसके पीछे भी इन्हीं बुद्धिजीवियों के हाथ की खबरें हैं। खासकर कांग्रेस के लिए नई राजनीतिक जमीन तैयार करने वाले बुद्धिजीवी तो इस बात पर अड़े हुए हैं कि किसी भी कीमत पर अपने दूरगामी राजनीतिक हितों से समझौता नहीं करना है। इससे स्पष्ट है कि यूपी में जो गलती 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव किये थे, 2025 में वही गलती दुहराकर तेजस्वी यादव भी सियासी रूप से अप्रासंगिक हो जाएंगे। स्पष्ट है कि बिहार की नई राजनीतिक करवट से विकास और सुरक्षा दोनों की गारंटी मिलेगी।

इस्राइल-हमास युद्धविराम : आशा की किरण या अस्थायी विराम?

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि

हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल- कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की 'कूटनीति की जीत' से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है।

हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। माओवाद का अंत गृहंमत्री अमित शाह के संकल्प व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मन्त्र से ही संभव हो सका है।

आज छत्तीसगढ़ के नक्सवलादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि, 'माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें'। इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ में एक साथ 210 माओवादियों ने समर्पण किया है।

उधर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास कि राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था।

महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है।

जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमर्पण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है।

वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। यह लोग नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कारिडोर बनाने का सपना देख रहे थे। यह लोग भारत, भारत के संविधान और भारत कि सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं। इनको सशक्त राष्ट्र नहीं चाहिए।

वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़ चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं।

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था।

अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है। कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जिससे वहां की जनता दोबारा माओवादियों के दुष्प्रचार में न फंसे। माओवाद के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत उनकी फंडिग को रोकने का काम भी किया जा है।

जैसे-जैसे माओवाद के सफाए का अभियान आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे उसके समर्थक राजनैतिक तत्वों के पेट मे दर्द भी उठ रहा है। माओवाद के समर्थन से फल फूल रहे वामपंथी दलो ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बंद करने की अपील तक कर दी। तेलंगना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तो एक कार्यक्रम में कह दिया कि, 'माओवाद एक विचारधारा है जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर भी माओवादी विचारधारा के समर्थकभी यही बात कह रहे हैं कि यह विचारधारा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती।

माओवाद एक जहरीली, खतरनाक और नरसंहार का समर्थन करने वाली विचारधारा है जिसका अंत करने के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सुरक्षा बल आक्रामक भी हैं और समर्पण करने वालों का स्वागत भी कर रहे हैं। पुनर्वास और पुनर्जीवन का प्रयास कर रही है। विकास को हर द्वार तक ले जा रही है जिससे आम व्यक्ति नक्सल के लाल आतंक के भय को भूल कर आगे बढ़ सके।

सिकंदर को झुकाया, ब्रिटेन-रूस-अमेरिका जैसे 3 सुपरपॉवर को हराया, उस अफगानिस्तान से क्या पाकिस्तान जीत सकता है?

सदियों पुरानी एक कहानी है, सिकंदर महान की जिसे दुनिया विश्व विजेता का तमगा पहनाती थी। जब सिकंदर ने अपने अभियान की शुरुआत की। उसके रास्ते में पड़ने वाले साम्राज्य एक-एक कर नतमस्तर होते चले गए। एक साल के भीतर उसने एंटोलियो, मेसोपोटामिया और पर्सिया पर कब्जा कर लिया। आगे अफगानिस्तान था। सिकंदर को लगा ये तो कुछ दिनों की बात है। लेकिन वहां पहुंचने पर उसका गणित उल्टा पड़ गया। एक अंतहीन जंग शुरू हो गई। छोटे-छोटे अफगान कबिलों ने सिकंदर की सेना को हांफने पर मजबूर कर दिया। इसमें तीन बरस बीत गए। कुछ लोगों का मानना है कि सिंकदर के हिंदुस्तान न जीत पाने की एक वजह ये भी थी। अफगानिस्तान की सेना ने उसे खूब थका दिया था। उसी समय से एक कुख्यात लाइन चलने लगी ' अफ़गानिस्तान साम्राज्यों का कब्रिस्तान है 'ये केवल सिकंदर की बात नहीं है 19वीं सदी में ब्रिटिश राज में भी यही रवायत देखने को मिली। दुनिया के तमाम मुल्कों पर कब्जा करने वाले अंग्रेज अफगानिस्तान पर कभी तसल्ली से शासन नहीं कर पाए। हालिया इतिहास की बात करे तो दुनिया की दो महाशक्तियां सोवियत संघ और अमेरिका दोनों अफगानिस्तान में बड़े-बड़े अरमान लेकर आए लेकिन उन्हें बेहिसाब बर्बादी और निराशा के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ।

पिछले हमले जब दिल्ली में अफगानिस्तान का डेलीगेशन आया हुआ था। तभी पाकिस्तान ने काबुल पर अटैक कर दिया। लेकिन क्या पाकिस्तान ने ये सोचकर अटैक किया कि अफगानिस्तान भला उसका क्या ही बिगाड़ लेगा। क्योंकि अगर इतिहास को देखे तो पाकिस्तान के लिए ये किसी बहुत बड़े बल्डर से कम नहीं था। अफगानिस्तान इस हमले के जवाब में पाकिस्तान पर जबरदस्त अटैक कर दिया। ये अटैक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा जिले के डेरा इस्माइल खां इलाके से शुरू हुआ। यहां पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के पास एक कार ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद कई हमलावर पुलिस ट्रेनिंग परिसर में घुस गए। दो दिनों तक दोनों देशों के बीच लड़ाई चलती रही और आखिरकार दोनों के बीच लड़ाई को अभी रोक दिया गया है। अफगानिस्तान का दावा है कि उसके 9 जवान शहीद हुए और पाकिस्तानी सेना के करीब 58 सैनिक मारे गए। वहीं पाकिस्तान कहां पीछे रहने वाला था, उन्होंने दावा किया कि हमने 200 तालिबानी लड़ाके मार गिराए हैं। इस बीच पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान अपनी सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा। हर उकसावे का मजबूत तरीके से जवाब दिया जाएगा। लेकिन शायद शहबाज शरीफ भूल रहे हैं कि अफगानिस्तान को असल में सामाज्यों का कब्रिस्तान कहा जाता है।

चाहे वो 19वीं सदी में ब्रिटिश राज हो, 20वीं सदी में सोवियत संघ हो या 21वीं सदी में अमेरिका, किसी भी विदेशी महाशक्ति को आज तक अफगानिस्तान में उस तरह की राजनीतिक सफलता नहीं मिल सकी, जिसकी मंशा से वो अपनी सैन्य शक्ति के साथ अफगानिस्तान में घुसे। ब्रिटिश एंपायर ने कभी पूरी ताकत के साथ अफगानिस्तान को जीतने की कोशिश की थी। जब ब्रिटिश एंपायर अपने चरम पर था तब उसका सबसे बड़ा डर सोवियत रूस था। ब्रिटेन के लिए भारत ताज का मोती था और अफगानिस्तान उसकी सुरक्षा की ढाल यानी एक तरह से बफर। ब्रिटेन को डर था कि अगर रशिया ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया तो भारत पर उसका खतरा बढ़ जाएगा। इसी डर से शुरू हुई ब्रिटिश और अफगान युद्धों की कहानी जिसे इतिहास में द ग्रेट गेम कहा गया। ब्रिटेन ने अफगानिस्तान में कुल तीन युद्ध लड़े लेकिन इन युद्धों ने उसे बर्बाद ही कर दिया। जब 1842 में ब्रिटिश सेना काबुल से निकली तो 16, 000 सैनिक गए थे। इसमें से सिर्फ एक आदमी डॉक्टर विलियम ब्राइडन जिंदा बचे। बाकी सब के सब मारे गए। ये इतिहास की सबसे बड़ी मिलिट्री तबाहियों में से एक थी। ऐसे ही 1878 से 1880 के बीच दूसरा एंग्लो अफगान वॉर हुआ। इस बार ब्रिटेन ने यहां पर दोस्ताना सरकार तो बनाई लेकिन डायरेक्ट कंट्रोल फिर भी नहीं पा सका। मजबूरी में डूरंड लाइन खींचकर एक समझौता करना पड़ा। 1919 में इन्होंने ब्रिटेन के खिलाफ तीसरा युद्ध छेड़ा। यह लड़ाई कुछ ही महीनों चली लेकिन रिजल्ट यह हुआ कि अफगानिस्तान को भारत से भी पहले आजादी मिल गई और यहां से ब्रिटिश इंपैक्ट पूरी तरह से खत्म हो गया।

20वीं सदी के सबसे ताकतवर देश सोवियत संघ ने भी अफगानिस्तान पर कब्जे की चाह के साथ एंट्री ली। सोवियत संघ ने 1979 में अफगानिस्तान पर अटैक किया था। वजह थी यहां की कम्युनिस्ट सरकार को बचाना जिसे कि इस्लामिक विद्रोही गिराने की कोशिश कर रहे थे। अफगान मुजाहिद्दीनों ने गोरिल्ला युद्ध शुरू कर दिया। अमेरिका, पाकिस्तान, सऊदी अरब और चाइना ने उन्हें हथियार दिए। खासकर स्टिंगर मिसाइल सिस्टम जिससे सोवियत हेलीकॉप्टर और उनके जेट्स गिराए जाने लगे। 10 साल के अंदर यूएसएसआर को 1 लाख सोवियत सैनिक तैनात करने पड़े। इस दौरान 15, 000 सोवियत सैनिक मारे गए और 1989 में मिखाइल गोरबाचेव ने यह माना कि यह सोवियत संघ का वियतनाम बन चुका है। अफगानिस्तान से हार के बाद सोवियत संघ का पतन होना शुरू हो गया। 1991 में यह टूट कर 15 देशों में बट गया।

ये 1970 की बात है कम्युनिस्ट सरकार को बचाने के लिए सोवियत संघ रूस ने अफगानिस्तान पर हमला किया। शीत युद्ध की वजह से अमेरिका की दुश्मनी रूस के साथ अपने चरम पर थी। फिर अफ़गानिस्तान का भाग्य लिखने के लिए पाकिस्तान, सऊदी अरब और अमेरिका ने नया गठजोड़ बनाया। तीनों देशों को देवबंद और उसके पाकिस्तानी राजनीतिक पार्टी जमात-ए-उलेमा-ए-इस्लाम में उम्मीद नज़र आयी। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा के एक देवबंदी हक्कानी मदरसे और फिर देवबंद के कराची मदरसे में पढ़ने वाले मुहम्मद उमर को ज़िम्मेदारी देकर मुल्ला मुहम्मद उमर बनाया गया। किसी को खबर हीं नहीं लगी कि कब मुल्ला उम्र ने पहले पचास और 15 हज़ार छात्रों के मदरसे खोल लिए। इसके लिए पाकिस्तान, अमेरिका और सउदी अरब ने खूब पैसे खर्चने शुरू किए। अमेरिका ने 1980 में यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फ़ॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट बनाया जिसके जरिए देवबंद के नफ़रती विचारों वाली शिक्षण सामग्री को छपवाकर देवबंदी मदरसों में बांटा जाने लगा। सोवियत से लड़ने के लिए अफ़गानिस्तान में मुजाहिदीनों की एक फ़ौज खड़ी हो गई। 1989 में सोवियत की वापसी के साथ इस युद्ध का एक पन्ना खत्म हो गया। सोवियत जा चुका था। मगर उससे लड़ने के लिए खड़े हुए मुजाहिदीन लड़ाकों ने हथियार नहीं रखे थे। वो अब अफ़गानिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में वर्चस्व बनाने के लिए लड़ रहे थे। 11 सितंबर 2001 को चार हवाई जहाजों को हाईजैक कर अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की इमारत और पेंटागन पर अल कायदा के आतंकियों ने हमला किया था। जिसमें करीब तीन हजार लोगों की मौत हुई थी। जब इस आतंकी संगठन ने अमेरिका में 9/11 के हमले को अंजाम दिया तो फिर अमेरिका ने इस आतंकवादी संगठन को सबक सिखाने की ठानी। 29 फरवरी 2020 को दुनिया की एक बड़ी ताकत, दुनिया के दरोगा की हैसियत रखने वाला अमेरिका ने दुनिया के एक छोटे से भूभाग में तालिबान के आगे घुटने टेक दिए।

पाकिस्तान को लग रहा था कि उसके बॉस जिसकी चमचागिरी करते शहबाज शरीफ इन दिनों देखे भी गए वो अमेरिका बचाने के लिए आ जाएंगे। सऊदी अरब से भी डील की है। वो भी बचाने के लिए आ जाएंगे। लेकिन दोनों में से कोई नहीं आया। सऊदी अरब ने भी अपने हाथ पीछे खींच लिए और ट्रंप तो बयानवीर खैर है ही। जब एयर स्ट्राइक काबुल पर की गई पाकिस्तान की तरफ से उसके बाद कैसा जवाब मिलेगा तालीबान से उस बात का अंदाजा पाकिस्तान को नहीं था। तालिबान की तरफ से कहा गया कि हमने अपनी ताकत के सिर्फ 10 फीसदी के साथ तुमसे मुकाबला किया है और तुम अपनी चौकियों से भाग गए। अगर तुमने फिर से अफगानिस्तान की जमीन पर कब्जा करने की हिमा हिम्मत की तो तुम्हारे खिलाफ अपनी 100 फीसदी ताकत लगा देंगे। तालिबान के कमांडर का ये कहना है। अगर 10इ ताक़त लगाने के बाद पाकिस्तानी सेना भाग गई तो अगर 100सदी इन्होंने ताकत लगा दी तो फिर क्या होगा?

मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, चौराहों व बाजारों आदि में भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की, की जा रही सघन चेकिंग

कानून एवं शांति व्यवस्था एवं आगामी पर्व भाईदूज/छठपूजा व जनपद में दीपावली पर्व के दृष्टिगत

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन एवं शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने सर्किल के थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना/चौकी प्रभारियों व पर्याप्त पुलिस बल के साथ पैदल गश्त/फ्लैग मार्च किया जा रहा। पैदल गश्त/फ्लैग मार्च के दौरान मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, चौराहों व बाजारों आदि में भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की गहनता से चेकिंग की जा रही है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों पर पैदल गस्त/फ्लैग मार्च कर आमजन से संवाद स्थापित कर शांतिपूर्वक त्योहार मनाये जाने की अपील की जा रही है। महत्वपूर्ण स्थानों/चिन्हित हाटस्पाट/मिश्रित आबादी के क्षेत्रों में निरन्तर संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग सुनिश्चित की जा रही है। जिसमें कहीं कोई अप्रिय घटना न हो सके। दीपावली के दृष्टिगत अग्निशमन अधिकारी/फायर कर्मी के नेतृत्व में पटाखा बाजारों/प्रमुख स्थानों पर अग्निशमन यंत्रो/वाहनों के साथ ड्यूटीरत कर्मियों को सतर्क किया गया है।

गंगा पार जा रही नाव का इंजन हुआ ख़राब, मचा हड़कंप

दूसरी नाव आने के बाद यात्रियों ने ली राहत की सांस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कोइरौना क्षेत्र के नगरदह गंगा घाट से रविवार की सुबह मिर्ज़ापुर जिले के दुगौली गंगा घाट पर आधा दर्जन से अधिक लोगों को लेकर जा रही नाव का इंजन अचानक मध्य गंगा में पहुंचने पर ख़राब हो गया, नाविक राम चंद्र निषाद ने इंजन चालू करने का पूरा प्रयास किया लेकिन स्टार्ट न हो सका और नाव पर सवार लोगों में हड़कंप मच गया, इसी बीच नाव पर सवार लोगों ने दुगौली गंगा घाट पर खड़े नाविक राम अछैबर निषाद को आवाज लगाई तो आनन फानन में राम अछैबर निषाद ने अपनी इंजन वाली नाव बीच गंगा में आये और फसी नाव को खीचकर किनारे ले गए तब नाव पर सवार लोगों ने राहत की सास ली और नाविक राम अछैबर निषाद को बहुत ही धन्यवाद दिया।

शरीर के साथ पर्यावरण की देखभाल जरूरी अताउल अंसारी अध्यक्ष भदोही साइकिलिंग क्लब

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही साइकिलिंग क्लब के तत्वावधान में गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान साइकिल यात्रा निकाली गई।

क्लब के अध्यक्ष अताउल अंसारी ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा को रवाना किया और कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग व्यायाम के साथ स्वच्छ वातावरण का होना बहुत जरूरी है। सभी लोग आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल करें, अधिक से अधिक वृक्ष लगाए और साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें। स्वच्छ वातावरण देश की तरक्की के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह स्वास्थ्य, आर्थिक विकास और एक सकारात्मक अंतरराष्ट्रीय छवि को बढ़ावा देता है।

साइकिल यात्रा आरंभ होकर शहीद तिराहा, कांजी हाउस, पूरेटीका, जौहरपुर, दीवानपुर, सरई मिश्रानी, सरई राजपूतानी, खरगपुर, सारीपुर, डेहरिया दयाराम, हीराचक डेहरिया, माधोपुर, पर्वतपुर, लोहरा के आसपास का भ्रमण करते हुए वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, वृक्षों की जब करोगे रक्षा, तभी बनेगा जीवन अच्छा, हिंदुस्तान जिंदाबाद, स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे भदोही को स्वस्थ बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम का नारा लगाते हुए लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए अमवा मे इसका समापन हुआ ।

साइकिल यात्रा में अधिवक्ता राम श्रृंगार चौधरी, प्रवीण श्रीवास्तव, श्याम सुंदर बिंद, जगदीश यादव, खन्ना बिंद, सरफराज अहमद, महमूद आलम, बनारसी बिंद, राजीव जायसवाल, अबरार हाशमी, कार्तिक सुनील, कमलेश कश्यप, प्रमोद मौर्या, प्रेम गुप्ता, सीताशरण गौतम, अबू हुरैरा, अजीत यादव, हमजा अंसारी, विराट चौधरी, फैज शेख, सुंदरम चौधरी, अनिल बिंद, जिगर गुप्ता, गोपाल चौधरी, फैज आलम, हिमांशु चौधरी समेत आदि रहे।

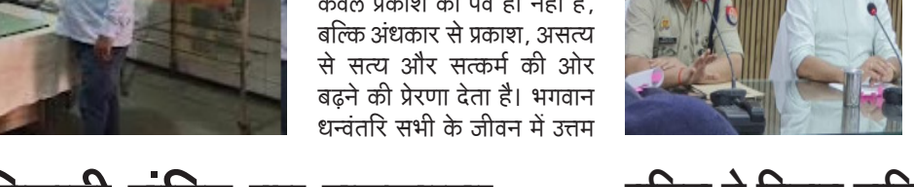

थाना औराई पुलिस टीम को मिली सफलता

अवैध तमंचा मय 2 अदद जिंदा कारतूस के साथ अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे

अन्य आपराधिक घटनाओं में संलिप्तता की, की जा रही जांच

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में चुस्त-दुरुस्त कानून व्यवस्था के दृष्टिगत अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में जनपदीय पुलिस द्वारा अपराधों के रोकथाम व आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

उक्त के क्रम में आज दिनांक-19.10.2025 को थाना औराई पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिरी सूचना के आधार पर अभियुक्त लवकुश सरोज उर्फ मोसम्मी पुत्र शिव कुमार सरोज निवासी ग्राम महदेपुर कैय्यर मऊ थाना औराई जिला भदोही उम्र 25 वर्ष को ग्राम महदेपुर कैय्यर मऊ जाने वाली तिराहा संवरा गेट के पास से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय दो अदद जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध थाना भदोही पर मु0अ0सं0-447/2025 धारा- 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए चालान मा0 न्यायालय किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावा व महाराजा बलवंत सिंह राजकीय चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉक्टर संतोष कुमार चक द्वारासामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां का इमरजेंसी का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान चिकित्सक व कर्मचारी उपस्थित पाए गए मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही द्वारा निर्देशित किया गया कि दीपावली के त्यौहार को देखते हुए आकस्मिक सेवाएं मरीजों को ससमय प्रदान किया जाए।

तत्पश्चात महाराजा बलवंत सिंह राजकीय चिकित्सालय के लेबर रूम एवं आकस्मिक कक्ष का निरीक्षण किया गया मरीज आंचल को देखने के लिये ऑन कॉल डॉ निशांत गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ को बुलाया गया था मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही द्वारा निर्देशित किया गया कि दीपावली के त्यौहार को देखते हुए आकस्मिक सेवाएं मरीजों को ससमय प्रदान किया जाए।

डीएम व एसपी ने दीपावली की जनपदवासियों को दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

दीपों का पांच दिवसीय उत्सव-धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली , गोवर्धन पूजा और भाई दूज

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने शुभ दीपावली पर्व पर जनपदवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि एवं खुशहाल भविष्य की कामना किया है। जिलाधिकारी ने धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली , गोवर्धन पूजा और भाई दूज की बधाई देते हुए कहा कि दीपों का यह पांच दिवसीय उत्सव केवल प्रकाश का पर्व ही नहीं है, बल्कि अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य और सत्कर्म की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। भगवान धन्वंतरि सभी के जीवन में उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि प्रदान करें। अच्छे स्वास्थ्य से ही जीवन में खुशहाली आती है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जनपदवासियों से अपील किया है कि दीपावली के अवसर पर ग्रीन पटाखे ही जलाएं। पटाखें जलाते समय बच्चों के साथ घर के बड़े लोग अवश्य रहें। उन्होंने कहा कि पटाखों को सामूहिक व सुरक्षित रूप से ही जलाएं। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि कम से कम पटाखें जलाये जांय। पटाखें जलाते समय एक बाल्टी पानी अवश्य रखें, सावधानी बरतें, जिससे कोई दुर्घटना न हो और सभी खुशियों के साथ दीपावली के त्यौहार को परंपरागत तरीके से मनाएं।

गाजीपुर में गंगा स्नान बना हादसा, 3 लड़कियां गंगा में डूबीं, तलाश जारी!

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गाज़ीपुर जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। कार्तिक महीने में गंगा स्नान की परंपरा के तहत नहाने गई तीन लड़कियां गंगा में डूब गईं। फिलहाल तीनों का अभी तक कोई पता नहीं चल सका है।

घटना करंडा थाना क्षेत्र के अमवा गंगा घाट की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि गंगा में स्नान के दौरान एक के बाद एक तीन लड़कियां गहरे पानी में चली गईं। हालांकि, उनके साथ स्नान कर रही कई अन्य लड़कियों को स्थानीय महिलाओं और ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए बचा लिया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घाट पर जुट गई, वहीं पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची और लापता लड़कियों की तलाश के लिए गोताखोरों की मदद ली जा रही है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर मौजूद हैं और तीनों लापता लड़कियों की तलाश में रेस्क्यू अभियान जारी है।

54 साल बाद खुला बांके बिहारी मंदिर का तहखाना

सोने की 1 और चांदी की 3 छड़ियां और पूरा तहखाना खाली?

लखनऊ **(एजेंसी)**। श्री बांके बिहारी मंदिर के 54 वर्षों से बंद पड़े तहखाने को खोलने की कार्यवाही के दूसरे दिन भी चौंकाने वाले खुलासे हुए। जहां लोगों को उम्मीद थी कि मंदिर के तहखाने से भारी मात्रा में आभूषण, धातु और ऐतिहासिक वस्तुएं मिलेंगी, वहीं वहां से केवल कुछ सिक्के, तीन चांदी की छड़ियां और एक सोने की छड़ी ही बरामद हुई है। बाकी पूरा तहखाना खाली मिला है।

54 साल बाद खोले गए इस तहखाने से बहुमूल्य खजाना नहीं मिलने पर कई सवाल उठने लगे हैं। दिनेश गोस्वामी ने कहा, 'जिन संदूकों में पहले आभूषण और कीमती धातुएं होने की बात कही जाती थी, वे अब खाली मिले हैं। यह गंभीर मामला है और इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।' उन्होंने बताया कि अगली कमेटी बैठक में वह इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे और औपचारिक जांच की मांग करेंगे। मंदिर का यह तहखाना 1971 में आखिरी बार खोला गया था, जब खजाने का सामान निकाल कर भारतीय स्टेट बैंक के लॉकर में रखा गया था। इसके बाद से यह तहखाना बंद ही रहा। 54 वर्षों के बाद जब इसे खोला गया, तो लोहे के चार संदूक में से केवल दो खोले गए, जिनमें ज्यादातर खाली बॉक्स मिले। एक लकड़ी के संदूक से भी खाली आभूषण बॉक्स बरामद हुए, जिससे खजाने की 'गायब' स्थिति पर संदेह और गहरा हो गया है।

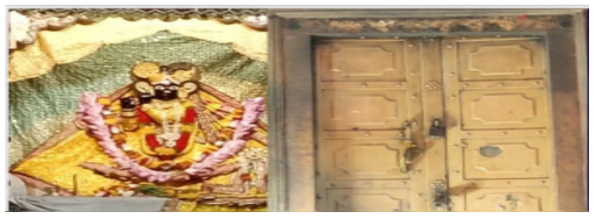

यह जांच सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनी हाई पावर्ड कमेटी की देखरेख में हो रही है। मंदिर प्रबंधन से जुड़ी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए इस प्रक्रिया की शुरुआत की गई थी। स्थानीय गोस्वामी समाज ने तहखाना खोलने का विरोध किया था, लेकिन कोर्ट के निर्देशों के चलते कार्यवाही जारी रही।

पुलिस ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत पीड़ित महिलाओं को दिलाई आर्थिक सहायता

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में व शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में उत्तर- प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति 5.0 के तहत भदोही पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण व सुरक्षा सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक, जिले में रानी लक्ष्मीबाई महिला सहायता एवं बाल सम्मान कोषके माध्यम से कुल 12 प्रकरणों में 12 पीड़ित महिलाओं को 36 लाख रुपयेकी आर्थिक सहायता दिलाई गई है। यह सहायता जघन्य अपराधों की शिकार महिलाओं व बालिकाओं को तत्काल चिकित्सा, पुनर्वास एवं आर्थिक क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दी गई, जो राज्य सरकार की संवेदनशीलता का प्रतीक है।

मिशन शक्ति अभियान, जो महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर केंद्रित है, मिशन शक्ति 5.0 में भदोही पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए पीड़िताओं को त्वरित न्याय सुनिश्चित किया। पुलिस अधीक्षक भदोही ने बताया कि यह कोष हिंसा प्रभावित महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है, और पुलिस टीमें निरंतर जागरूकता कार्यक्रम चला रही हैं।

मिशन शक्ति अभियान के तहत आगे भी भदोही पुलिस पीड़िताओं के लिए तत्पर रहेगी, क्योंकि नारी शक्ति ही समाज की असली ताकत है। अधिक जानकारी के लिए स्थानीय थाने या हेल्पलाइन 1090 पर संपर्क करें।

सुबह से नहीं बिका था दीया मायूस बैठी थी बूढ़ी माता, थानेदार ने खरीद लिए सारे दिए, दीपावली की सबसे खूबसूरत कहानी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हापुड़ जिले में एक पुलिसकर्मी ने एक बुजुर्ग महिला की दिवाली बना दिया। दरअसल, पुलिसकर्मी पैदल ही गश्त पर निकले थे। सड़क के किनारे एक बूढ़ी माता मिट्टी के दिए बेच रही थी लेकिन उनका दिया एक भी नहीं बिका था और वह मायूस होकर बैठी थी।

गश्त कर रहे पर हापुड़ देहात थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बुजुर्ग को मायूस देखकर कारण पूछा तो बूढ़ी माता ने कहा कि कहा कि सुबह से दीये सजाए थे, लेकिन धनतेरस पर कोई भी दीये खरीदने नहीं आय। इतना सुनते ही विजय गुप्ता ने उनकी मायूसी दूर करने की ठान ली और सारे दीए खरीद लिए। इस नेक कार्य से धर्मवती की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने पुलिस को आशीर्वाद दिया। दीए बेचकर वे खुशी-खुशी घर लौटीं।

घूसखोरी के जमाने में पुलिस का ऐसा वर्ताव देखने के बाद धर्मवती ने कहा, 'पुलिस का यह रूप मैंने पहले कभी नहीं देखा। दीए न बिकने से मैं बहुत परेशान थी, लेकिन पुलिस ने मेरी समस्या हल कर दी।' बुजुर्ग महिला ने यह भी बताया कि सरकार की योजनाओं से उन्हें काफी राहत मिली है। बच्चों के पालन-पोषण में कोई दिक्कत नहीं है और फ्री राशन भी मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'मोदी-योगी खूब काम कर रहे हैं।

कपड़े फाड़े, सड़क पर लेट गए; टिकट ना मिला तो फूट-फूटकर रोए राजद नेता, लगाया ये आरोप

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे को लेकर रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद के आवास के बाहर नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला, जब टिकट न मिलने पर एक नेता फूट-फूटकर रोने लगे, अपने कपड़े फाड़ लिये और सड़क पर लेट गए।

मधुबन सीट से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे मदन साह ने आरोप लगाया कि उनसे टिकट देने के एवज में 2.70 करोड़ रुपये मांगे गए थे। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। साह ने पत्रकारों से कहा, "मैं लंबे समय से पार्टी से जुड़ा हूं। 2020 में मैंने इसी सीट से चुनाव लड़ा था और बहुत कम अंतर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार से हार गया था। इस बार टिकट मिलने का पूरा भरोसा था। मुझसे कहा गया कि 2.70 करोड़ रुपये दो। मैंने अपने बच्चों की शादी तक टाल दी और रुपयों की व्यवस्था की। अब मैं पूरी तरह बर्बाद हो गया हूं। कम से कम मेरे रुपये तो लौटा दें।"

राजद नेताओं ने इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है कि पार्टी के किसी पदाधिकारी ने उनसे टिकट के बदले रुपये मांगे थे। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मधुबन सीट पर राजद स्वयं उम्मीदवार उतारेगा या यह सीट गठबंधन के किसी सहयोगी दल को सौंपी जाएगी।

अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन का जायजा लिया यात्रियों से सीधे बातचीत की

मंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। केंद्रीय रेल, सूचना प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज आनंद विहार रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया।

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन पर होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों से सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से रेलवे परिसर की स्वच्छता और प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में प्रतिक्रिया (फीडबैक) ली।

मीडिया से बातचीत करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की भारी भीड़ के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो फैलाने वालों पर कार्यवाही की जा रही हैं । साथ ही अपील की कि रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो न फैलाएं।

इस निरीक्षण के दौरान, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार और उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के बाद अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया है कि भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं के लिए किए गए ये व्यापक इंतजाम आगामी दीवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लाखों यात्रियों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेंगे।

अयोध्या दीपोत्सव 2025

दीपोत्सव से गायब अयोध्या के सांसद

बोले- 'बीजेपी की मानसिकता के कारण नहीं बुलाया गया'

लखनऊ **(एजेंसी)**। रामनगरी अयोध्या में 9वां भव्य दीपोत्सव शुरू हो चुका है, जहां 28 लाख 11 हजार 101 दीयों के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सरयू तट पर आयोजित इस विशाल आयोजन को लेकर जहां उत्साह चरम पर है, वहीं अयोध्या से सांसद और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अवधेश प्रसाद को आमंत्रित न किए जाने को लेकर सियासत गरमा गई है।

सांसद अवधेश प्रसाद ने नाराजगी जताते हुए कहा, 'भगवान राम की नगरी में सरकार द्वारा आयोजित उत्सव में क्षेत्र के सांसद को ही नहीं बुलाया गया। यह कार्यक्रम तो सरकारी पैसे से हो रहा है, फिर ऐसा भेदभाव क्यों?' उन्होंने कहा कि कई लोगों ने उनसे पूछा कि वे आयोजन में क्यों नहीं गए, जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे निमंत्रण मिला ही नहीं।'

अवधेश प्रसाद ने कहा, 'बीजेपी की संकीर्ण मानसिकता और विचारधारा के कारण मुझे आमंत्रित नहीं किया गया।' उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को भी केवल राजनीतिक मतभेद के चलते नजरअंदाज करती है।

दीपोत्सव को लेकर प्रसाद ने कहा कि असली दीपावली तभी है जब हर घर में रोशनी पहुंचे। 'आज कई घरों में अंधेरा है, लोग परेशान हैं, किसानों की जमीनें छीनी जा रही हैं, मुआवजा नहीं दिया जा रहा। राम पथ पर जो लाइटें लगी थीं, वो भी गायब हैं। क्या यही रामराज्य है?'

सांसद ने कहा कि वे दीपोत्सव का विरोध नहीं करते, लेकिन केवल दीये जलाने से दीपावली नहीं होती। '2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में अयोध्या का ऐसा विकास होगा जो देश-दुनिया में मिसाल बनेगा।' उन्होंने अखिलेश यादव के 'दीये-मोमबत्ती' वाले बयान का समर्थन करते हुए कहा कि आयोजन में धन की बर्बादी हो रही है जबकि ज़रूरत है लोगों की ज़िंदगी में स्थायी उजाले लाने की।

मंडलायुक्त राजेश कुमार ने जानकारी दी कि दीपोत्सव के लिए 33, 000 स्वयंसेवकों की मदद से दीयों की सजावट की जा रही है। कार्यक्रम में 2100 लोगों द्वारा आरती की जाएगी। इसके अलावा लेजर शो, आतिशबाज़ी और पांच देशों के कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा।

आनंदीबेन और योगी ने प्रकाशपर्व दीपावली पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

राज्यपाल बोलीं- ये प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार से प्रकाश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाशपर्व दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रभु श्रीराम से उनकी सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है। रविवार को जारी एक शुभकामना संदेश में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज के शुभ अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए प्रेषित की हैं।

अपने बधाई संदेश में राज्यपाल ने कहा कि दीपों का यह पांच दिवसीय उत्सव केवल प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य तथा नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व एवं त्योहार शान्ति, एकता व सछ्वाव का सन्देश देते हैं एवं सामाजिक सौहार्द में वृद्धि करते हैं। दीपावली का पर्व भारत की सनातन धर्म की परम्परा का एक

महत्वपूर्ण पर्व है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के उपरान्त अयोध्या आगमन और रामराज के शुभारम्भ की स्मृति स्वरूप आज से हजारों वर्ष पहले पूरे भरतखण्ड में श्रद्धालुओं द्वारा दीपमालाओं से अपने-अपने घरों को सजा करके इस पर्व को मनाना प्रारम्भ किया गया। श्री योगी ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मस्थली अयोध्या उत्तर प्रदेश में है। राज्य सरकार अयोध्या में दीपावली के आयोजन की प्राचीन और गौरवशाली परम्परा को'दीपोत्सव'के आयोजन के माध्यम से पुनर्प्रतिष्ठित कर, सम्पूर्ण विश्व समुदाय को अयोध्या की महिमा से परिचित कराने का कार्य कर रही है।

श्रीमती पटेल से प्रदेश के मंत्रिगण, गणमान्य नागरिक, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने भेंट कर उन्हें बधाइयाँ दी। राज्यपाल से मिलकर बधाई देने वालों में प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, निदेशक पीजीआई पद्मश्री प्रो आरके धीमन, कुलपति केजीएमयू पद्म श्री प्रो सोनिया नित्यानंद, निदेशक आईआईएम कोलकता प्रो आलोक राय, विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, राज्य सूचना आयुक्त दिलीप अग्निहोत्री, उम्मीद संस्था से बलवीर सिंह मान व संस्था के बच्चे तथा पत्रकार बन्धु सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल थे।

कानपुर को दीपावली गिफ्ट

योगी सरकार ने सड़कों के निर्माण को दी हरी झंडी, 89.80 करोड़ बजट मंजूर

कानपुर **(एजेंसी)**। दीपावली से पहले कानपुरवासियों के लिए खुशखबरी आई है। शासन की वित्त व्यय समिति ने 89.80 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है, जिससे तीन अहम सड़कों का निर्माण जल्द शुरू होगा। सबसे महत्वपूर्ण परियोजना डोमनपुर से फतेहपुर की सीमा तक 13 किलोमीटर लंबी सड़क है, जिसके लिए 19.87 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। यह सड़क 100 से अधिक गांवों को प्रयागराज हाईवे और फतेहपुर जिले से जोड़ेगी।

शासन ने न सिर्फ डोमनपुर सड़क बल्कि कालपी रोड पर भौंती बाईपास और कल्याणपुर-शिवली रोड चौड़ीकरण के लिए भी मंजूरी दी है। तीनों परियोजनाओं का निर्माण लोक निर्माण विभाग (इंअ) द्वारा किया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक, डोमनपुर रोड परियोजना पहले चरण में ही प्रस्तावित थी, लेकिन उन्नाव में गंगा पुल के पास बाढ़ में सड़क बह जाने के बाद शासन ने वित्तीय स्वीकृति रोक दी थी। अब हालात सामान्य होने पर एक किलोमीटर हिस्से को छोड़कर बाकी 13 किलोमीटर सड़क निर्माण को मंजूरी दी गई है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के हस्तक्षेप से यह परियोजना दोबारा सक्रिय हुई। अब कानपुर से फतेहपुर सीमा तक सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा।

इस सड़क से सौ से अधिक गांवों की आबादी को सीधा फायदा मिलेगा। किसानों को अपनी उपज मुख्य बाजारों तक पहुंचाने में आसानी होगी। डिफेंस नोड और औद्योगिक क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी। बुंदेलखंड की ओर जाने वालों को वैकल्पिक मार्ग भी मिलेगा। साथ ही, कालपी रोड (भाटिया होटल तिराहा से भौंती बाईपास तक) 36 करोड़ रुपये की लागत से चौड़ी होगी।

मऊ में कृषक एक्सप्रेस से कुंटल विस्फोटक बरामद, दीपावली पर रेलवे सुरक्षा कड़ी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मऊ से बड़ी ब्रेकिंग न्यूज़ सामने आई है। कृषक एक्सप्रेस (15008) में चेकिंग के दौरान एक कुंटल विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार, विस्फोटक पदार्थ की कीमत लगभग एक लाख रुपये बताई जा रही है। घटना के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति सलेमपुर का रहने वाला है और वह कृषक ट्रेन से गाजीपुर जनपद के दुल्लहपुर की ओर जा रहा था।

यह खुलासा जीआरपी थाना मऊ के इंचार्ज राजकपूर सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि दीपावली के मौके पर ट्रेन और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा चेकिंग लगातार की जा रही थी, तभी इंदारा रेलवे स्टेशन के पास यह विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ।

फिलहाल आरोपी को जीआरपी थाने में हिरासत में लिया गया है, और विस्फोटक पदार्थ की जांच जारी है। रेलवे प्रशासन और पुलिस सुरक्षा बढ़ाने के लिए सतर्क हैं, ताकि त्योहार के दौरान किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

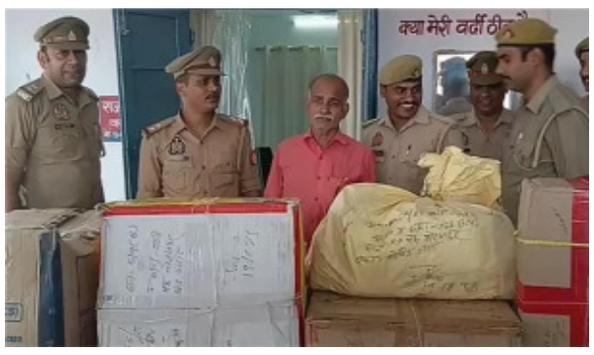

विधायक इक़बाल महमूद का विवादित बयान!

रिक्शा वाला का बेटा भी रिक्शा चलाएगा विधायक का बेटा विधायक बनेगा?

लखनऊ **(एजेंसी)**। सदर विधायक इक़बाल महमूद के विवादित बयान ने सोशल मीडिया और स्थानीय लोगों में हलचल मचा दी है। विधायक ने कहा, 'रिक्शा वाले का बेटा रिक्शा चलाएगा, विधायक का बेटा विधायक बनेगा।'

विधायक के इस बयान पर लोगों में नाराजगी देखने को मिली। वहीं, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी और समाजसेवी मुशीर तरीन ने इस बयान का अनोखा और सशक्त जवाब दयिा। उन्होंने खुद रिक्शा चलाकर आम जनता के सामने संदेश दिया और कहा,

'किसी का मुकद्दर कोई नहीं छीन सकता। मेहनत और काबिलियत सबको बराबर मौके देती है। असली पहचान इंसान की मेहनत से होती है, विरासत से नहीं।'

मुशीर तरीन का कहना है कि मेहनत ही असली पहचान है, न कि विरासत या पारिवारिक राजनीति। उन्होंने यह भी जोर दिया कि जनता किसी को वोट देती है और सिर्फ मेहनत और काबिलियत के दम पर ही सफलता मिलती है।

सदर विधायक इक़बाल महमूद ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि उनका तात्पर्य परिवारवाद नहीं, बल्कि क्षमता और योग्यता से था। उन्होंने कहा, डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बनता है, इंजीनियर का बेटा इंजीनियर बनता है। अगर किसी को थोपने का मामला नहीं है और जनता उन्हें वोट देती है, तो इसे परिवारवाद नहीं कहा जा सकता।'

इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज हो गई है। लोग इस बयान पर अपनी प्रतिक्रियाएँ दे रहे हैं और मुशीर तरीन के रिक्शा चलाकर संदेश को सराह रहे हैं।

सरेंडर किए नक्सलियों की पहली रात रही बैचैन

सालों से घने जंगलों में रहने वालों को आरामदायक बिस्तर पर नहीं आई नींद, बदलाव देख हैरान

रायपुर **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ में जैसे-जैसे नक्सलवाद पर लगातार पुलिस और जवानों का प्रहार जारी है वैसे-वैसे आए दिन नए बदलाव देखने को मिल रहे हैं। नक्सली अब मुख्यधारा में लौटकर साधारण और डर रहित जीवन जीना चाहते है। इसी सिलसिले में वो प्रशासन की कई योजनाओं जैसे लोन वर्राटू जैसी पहल को अपनाते हुए सामाजिक जीवन में वापसी करना चाहते हैं।

इसी कड़ी में बस्तर में 210 पूर्व नक्सलियों ने शुक्रवार को आत्मसमर्पण किया था। जवानों और अधिकारियों ने गुलदस्ते देकर उनका सामाजिक जीवन में लौटने का स्वागत किया, लेकिन सालों से जंगल में गोलियों के शोर में रहने वाले नक्सलियों के लिए शांति की पहली रात बेचैन करने वाली थी।

खुले जंगलों में रहने वाले नक्सलियो के छतों के नीचे, घूमते पंखे कुछ अजीब ही लगे। अचानक मिली ऐसी तनावरहित आरामदायक ज़िंदगी से वो हैरान थे। शनिवार की सुबह उनके लिए कुछ ऐसी ही अजीब थी, क्योंकि ये सुबह उनकी हर सुबह से बहुत अलग थी।

जगदलपुर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में रुके इन लोगों ने अखबार पढ़ा और टीवी देखा, वो देख रहे थे कि कैसे उनके बारे में बाहर की दुनिया में देखा और पढ़ा जाता है, कैसे उनके बारे में सोच है। वो इस नई दुनिया को देखकर बड़े ही हैरान हो रहे थे। मुख्यधारा में वापिस लौटे ये लोग हैरान हो रहे थे कि जिन्होंने कभी सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाई थी वो आज इस तरह से स्वागत करेंगें।

उनके चेहरे कुछ और ही बता रहे थे, उनके सामने वे जवान खड़े थे जिनसे वे सालों तक लड़े थे। जिन्होंने माओवादियों के हाथों अपने परिवार खोए थे, और जिनका रातों को खौफ देखते ही बनता था, उनको इस तरह दिन में देखना किसी चमत्कार से कम नहीं लग रहा था

वहीं इस मौके पर बस्तर रेंज के आईजी पी. सुंदरराज ने कहा, कि यह एक अलग तरह का पुनर्वास है। यह किसी स्कूल के बच्चे के हॉस्टल में पहले दिन जैसा ही है। पहला कदम उन्हें सहज महसूस कराना है। सालों तक जंगल में रहने के मनोवैज्ञानिक सदमे से बाहर निकलना आसान नहीं है। जिनका जीवन रात को जागकर और दिन को घातें लगाकर निकला वो, उनके लिए तनाव रहित सामाजिक जीवन जीना और सांचे में ढलने के लिए थोड़ा समय लगेगा।

6 नहीं 10 सीटों पर चुनाव लड़ सकता है जेएमएम

सुप्रियो भट्टाचार्य बोले- बिहार में झामुमो के साथ हमेशा धोखा हुआ, अब समझौता नहीं

पटना **(एजेंसी)**। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक है। जेएमएम बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से अलग होकर बिहार चुनाव लड़ेगा। जेएमएम ने इसकी घोषणा की है। जेएमएम अकेले 6 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। 6 सीटों में चकाई, धमदाहा, कटोरिया, पिरपैंती, मनीहारी, जमुई शामिल हैं।

पार्टी कार्यालय में मीडिया कर्मियों से बातचीत करने के दौरान झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सीटों की यह संख्या 10 तक भी जा सकती है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद झामुमो झारखंड में गठबंधन की समीक्षा भी करेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगा कि बिहार में झामुमो के बगैर सरकार नहीं बनने पाए। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झामुमो के साथ हमेशा धोखा हुआ है। बिहार में बार-बार धोखा हुआ है। पार्टी कुछ भी बर्दाश्त कर सकती है, लेकिन आत्म सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनाव में हमने झारखंड में राजद को सात सीटें दी। उसमें केवल एक प्रत्याशी जीता। उसे भी हमने पांच साल तक मंत्री बनाए रखा। 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में भी राजद को छह सीटें दी गयी। उसमें भी राजद के एक विधायक को मंत्री बना कर सम्मान देने का काम किया गया। हम हमेशा सम्मान करते रहे और हमारे साथ हमेशा धोखा होता रहा। सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी के 20 स्टार प्रचारक होंगे। इसकी सूची निर्वाचन आयोग को भेज दी गयी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बिहार में प्रचार अभियान चलाया जाएगा। स्टार प्रचारकों की सूची में विधायक कल्पना सोरेन, विजय हांसदा, मिथिलेश ठाकुर, विनोद पांडेय, बसंत सोरेन, सुप्रियो भट्टाचार्य, बैद्यनाथ राम, हेमलाल मुर्मू, सुदिव्य सोनू, अभिषेक प्रसाद पिंटू सहित कई अन्य शामिल हैं।

ज्ञात हो कि शुरू में झामुमो ने बिहार विधानसभा चुनाव में 16 सीटों देने की मांग की थी। बाद में झामुमो 12 सीटों पर आ गया। सीटों के लिए झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय और मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने पटना में बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, झारखंड प्रभारी जय प्रकाश नारायण यादव, भोला यादव व अन्य वरीय नेताओं से मुलाकात भी की।

बता दें कि 2 चरणों में बिहार चुनाव कराए जाएंगे। 6 और 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और 14 नवंबर को नतीजों का एलान होगा। वहीं, झारखंड में घाटशिला उपचुनाव 11 नवंबर को कराया जाएगा और 14 नवंबर को नतीजे का एलान होगा।

एमपी में बड़ी कार्रवाई

100 करोड़ की अवैध संपत्ति वाले अफसर पर शासन की सर्जिकल स्ट्राइक, तत्काल सस्पेंड

रीवा/भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश शासन ने लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता रीवा, आलोक कुमार खरे को सस्पेंड कर दिया है। लोकायुक्त पुलिस द्वारा की गई छापेमारी में करोड़ों रुपए की संपत्ति जब्त की गई थी। इसके बाद आबकारी विभाग की ओर से अभियोजन की स्वीकृति मिलने के बाद इस महीने आलोक खरे के खिलाफ विशेष न्यायालय में चालान पेश किया गया।

वाणिज्यिक कर विभाग ने शनिवार को छुट्टी होने के बावजूद सस्पेंशन का आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त इंदौर, आलोक खरे के विरुद्ध लोकायुक्त पुलिस भोपाल ने अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के मामले में अपराध क्रमांक 238/2019 दर्ज किया था। आलोक खरे के खिलाफ 4 अप्रैल 2025 को वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा अभियोजन की स्वीकृति दी गई और 8 अक्टूबर को चालान पेश किया गया। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय अपर आबकारी आयुक्त, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता, भोपाल निर्धारित किया गया है।

लोकायुक्त ने 6 साल पहले सहायक आबकारी आयुक्त के पद पर पदस्थ आलोक खरे के भोपाल, इंदौर, रायसेन और छतरपुर में 7 ठिकानों पर छापेमारी की थी। शुरुआती जांच में लगभग 100 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का खुलासा हुआ था। जांच में सामने आया कि आलोक खरे ने कई हेक्टेयर जमीनों को पत्नी मीनाक्षी के नाम पर खरीदकर एक बड़े भूखंड में परिवर्तित किया और उस पर भव्य महलनुमा आवास बनाया, जिसकी निर्माण और सजावट पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए।

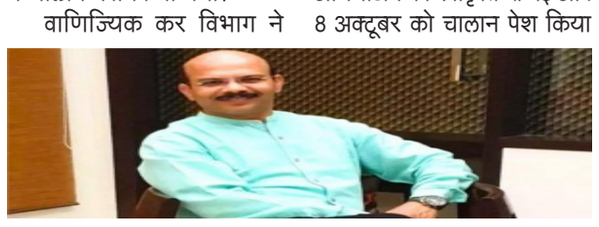

वीआईपी कल्चर छोड़ सड़क किनारे शॉपिंग करने पहुंचीं केंद्रीय मंत्री

किया यूपीआई पेमेंट, ई रिक्शा में किया सफर

धार **(एजेंसी)**। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने इस दीपावली अपने गृह नगर धामनोद के लोकल मार्केट से खरीदी करते हुए वीआईपी कल्चर को पीछे छोड़ दिया। मंत्री ने बाजार से दीपक-बर्तन और साज-सज्जा का सामान खरीदा और पूरा भुगतान अपने फोन के माध्यम से यूपीआई से किया। सावित्री ठाकुर ने बताया कि दीपावली और अन्य त्योहारों के समय वह हमेशा लोकल मार्केट से ही खरीदारी करती हैं। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' के संदेश को समर्थन देना और स्थानीय व्यापारियों को बढ़ावा देना है। व्यापारियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री के इस कदम पर खुशी जताई। खास बात यह रही कि मंत्री बाजार में इलेक्ट्रॉनिक रिक्शा (ऑटो) से आईं और खरीदी के सभी लेन-देन डिजिटल माध्यम से किए। यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण मानी जा रही है।

मंत्री कैलाश ने वृद्धाश्रम में मनाई दीपावली, गाए भजन, नाचते दिखे बुजुर्ग

बोले- घर की लक्ष्मी को प्रसन्न रखना ही असली पूजा

भोपाल **(एजेंसी)**। परदेसीपुरा स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स के पास वृद्धाश्रम समाज कल्याण परिसर में इस साल भी दीपावली का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला, नगर निगम जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण से हुई। इसके बाद बच्चों और बुजुर्गों ने मिलकर दीप प्रज्वलन और आतिशबाजी के साथ दीपावली मनाई। माहौल में भक्ति और उल्लास का संगम देखने को मिला। स्कूल के बच्चों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

आयोजन के दौरान भजनों की प्रस्तुति दी गई और अंताक्षरी प्रतियोगिता ने सभी को उत्साहित कर दिया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और मंच से अपने संबोधन में परिवार और समाज के मूल्यों पर बात की।

अपने संबोधन में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि दीपावली का संदेश यही है कि घर की लक्ष्मी को हमेशा प्रसन्न रखो। घर में साफ-सफाई और सकारात्मकता बनाए रखो। ईश्वर जाति या धर्म नहीं देखते, वे वहीं आते हैं जहां प्रसन्नता और पवित्र भावना होती है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में विधायक रमेश मेंदोला की चुटकी लेते हुए कहा कि अब रमेशजी क्या ले जाएंगे, चक्कर ये है कि किसके लिए ले जाएंगे। इस पर मंच पर मौजूद लोगों ने ठहाके लगाए।

विजयवर्गीय ने महिलाओं से कहा कि भोजन बनाते समय मोबाइल ऑन न करें, बल्कि कीर्तन करें या भगवान का नाम लें। भोजन बनाते वक्त विचार अच्छे होने चाहिए। भगवान भाव के भूखे हैं। बहन भी लक्ष्मी का स्वरूप है, भाईदूज पर बहन को खुश रखना चाहिए।

बल्लेबाजों ने किया निराश, ऑस्ट्रेलिया ने वर्षा प्रभावित पहले वनडे में भारत को हराया

पर्थ **(एजेंसी)**। स्टार बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की बहुचर्चित वापसी फ्लॉप रही और भारत को रविवार वर्षा प्रभावित पहले एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने केएल राहुल (38), अक्षर पटेल (31) और नीतीश कुमार रेड्डी (नाबाद 19) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर निर्धारित 26 ओवर में नौ विकेट पर 136 रन बनाये, लेकिन डकवर्थ लुईस निमय के तहत ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 131 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने 21.1 ओवर में तीन विकेट पर 131 रन बनाकर जीत हासिल की और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मिचेल मार्श ने शानदार पारी खेलते हुए 52 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 46 रन की मैच विजयी पारी खेली। उन्होंने मैट रेनशॉ के साथ चौथे विकेट की अविजित साझेदारी में नाबाद 32 रन जोड़े। मैट रेनशॉ ने 24 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 21 रन बनाये। जॉश फिलिपे ने 29 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रन का योगदान दिया। ट्रेविस हेड और मैथ्यू शाटर् आठ-आठ रन बनाकर आउट हुये। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिया।

बारिश से प्रभावित मैच में ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से भारत पर हावी रहा। पहले भारत को 26 ओवर के मैच में 136 पर रोका और उन्हें डीएलएस प्रणाली के हिसाब से 131 का लक्ष्य मिला। हेड और शॉटर् के रूप में ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटके लगे लेकिन कप्तान मिचेल मार्श अंत तक डटे रहे और फ़िलिपे और फिर रेनशॉ के साथ साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया का बेड़ा पार कर दिया। ऑप्टस स्टेडियम पर यह ऑस्ट्रेलिया की पहली जीत भी है। इससे पहले आज यहां टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने चौथे ओवर की चौथी गेंद पर रोहित शर्मा (आठ) का विकेट गंवा दिया। उन्हें जॉश हेजलवुड ने मैट रेनशॉ के हाथों कैच आउट कराया। उसके बाद सातवें ओवर की पहली गेंद पर मिचेल स्टाकर् ने विराट कोहली को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। कप्तान शुभमन गिल (10) रन बनाकर आउट हुए।

एक समय भारत ने 25 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। उसके बाद 37 के स्कोर पर बारिश शुरु हो गई और खेल को रोकना पड़ा। बारिश रुकने के बाद मैच को 26 ओवरों का कर दिया गया। इस दौरान अक्षर पटेल और केएल राहुल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट लिए 39 रन जोड़े। 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर मैथ्यू कुनमन ने अक्षर पटेल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अक्षर पटेल ने 38 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 31 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर (11) को भी कुनमन ने आउट किया। इसके बाद तेजी से रन बनाने के प्रयास में भारतीय बल्लेबाज विकेट गंवाते चले गये। भारत ने 26 ओवर में नौ विकेट पर 136 का स्कोर बनाया। नीतीश कुमार रेड्डी 11 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 19 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जॉश हेजलवुड, मैथ्यू कुनमन और मिचेल ओवेन ने दो-दो विकेट लिये। मिचेल स्टाकर् और नेथन एलिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

प्लेइंग इलेवन

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह

ऑस्ट्रेलिया : ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेट कीपर), मैट रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिशेल ओवेन, मिशेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहनेमैन, जोश हेज़लवुड।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास वनडे में 2000 रन और 150 विकेट लेने वाली पहली भारतीय बनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ महिला विश्व कप 2025 के मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। दीप्ति महिला वनडे में 2000 रन और 150 विकेट लेने वाली चौथी महिला क्रिकेटर बन गई है। दीप्ति यह रिकॉर्ड बनाने वाली वह पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी हैं। महिला वनडे में 2000 रन और 150 विकेट हासिल करने के मामले में पहली तीन महिला खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की एलिसा पेरी, वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर और दक्षिण अफ्रीका की मारिजैन कैप हैं।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स (56) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 25 ओवर पूरे होने तक 2 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए।

शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों पहला वनडे हारने की वजह बताई

पर्थ **(एजेंसी)**। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया से पहला वनडे रविवार को 7 विकेट से हारने के बाद कहा कि पॉवरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है। शुभमन गिल ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, 'पावरप्ले में तीन विकेट गंवाना कभी भी आसान नहीं होता, आप हमेशा बराबरी का खेल खेलने की कोशिश करते हैं। इस मैच से बहुत कुछ सीखने को मिला और कई सकारात्मक बातें भी। 131 रनों का बचाव करते हुए हम मैच को काफी आगे तक ले गए और इससे हम बहुत संतुष्ट हैं। हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि हम जहां भी खेलते हैं, दर्शक बड़ी संख्या में आते हैं।' प्लेयर ऑफ द मैच मिचेल मार्श ने कहा, 'आज मौसम ने अपना असर दिखाया। सभी दर्शकों का बहुत-बहुत शुक्रिया जो मैदान पर डटे रहे। मुझे पता है कि ये दिन वाकई निराशाजनक हो सकते हैं, लेकिन जीत हासिल करना अच्छा लगता है। घर में जीतना हमेशा अच्छा लगता है। मुझे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना बहुत पसंद है। (रन-चेज पर) थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा था। हम जानते थे कि दोनों टीमों के लिए यही स्थिति रहने वाली है, इसलिए वहां से जीतना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था।'

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से हमारे युवा खिलाड़ी मैदान पर उतरे और मैच को संभाला और हमें जीत दिलाई, उस पर मुझे गर्व है। (जोश फिलिप) मैदान पर आए और उन्होंने इसे बहुत आसान बना दिया, है ना? युवा खिलाड़ियों का मैदान पर आना मज़ेदार होता है। जरूरी नहीं कि वे युवा ही हों, बल्कि युवा खिलाड़ी मैदान पर आ रहे हैं। आप बस यही चाहते हैं कि वे मजे करें और इसका आनंद लें। वनडे क्रिकेट में, हमें हर समय बड़ी भीड़ के सामने खेलने का मौका नहीं मिलता, इसलिए मैंने उनसे कहा कि वे इसका पूरा आनंद लें।'

लियोनेल मेस्सी की मेजर सॉकर लीग में दूसरी हैट्रिक, अब तक कर चुके हैं कुल इतने गोल

नैशविले (अमेरिका) **(एजेंसी)**। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में अपने करियर की दूसरी हैट्रिक बनाई, जिससे इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेस्सी एमएलएस के वर्तमान सत्र में अभी तक 29 गोल कर चुके हैं और वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

पिछली बार उन्होंने इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे ने कहा 'यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वह (मेस्सी) हर मैच में हमारी जीत में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी प्रशंसा करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं।'

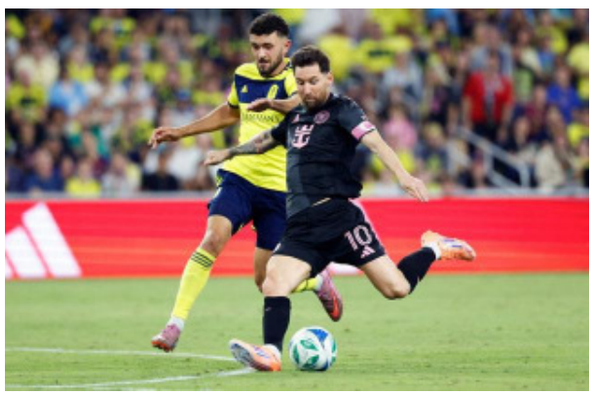

बंगलादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए नासुम को टीम में किया शामिल

ढाका **(एजेंसी)**। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के लिए बांए हाथ के स्पिनर नासुम अहमद को टीम में शामिल किया गया है। 30 वर्षीय नासुम ने 18 एकदिवसीय मैचों में 4.48 की इकॉनमी से 16 विकेट लिए हैं। उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में एकदिवसीय मैच में खेला था।

सीरीज के पहले मैच में शनिवार को मीरपुर में शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच मंर धीमी पिच पर दोनों टीमों के स्पिनरों ने प्रभावी भूमिका निभाई और इसी को देखते हुए नासुम को टीम में शामिल किया गया। वेस्टइंडीज के बाए हाथ के स्पिनर खैरी पियरे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में 19 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज ने मेहमान टीम के लिए दो विकेट लिए। बंगलादेश ने रिशाद हुसैन और तनवीर इस्लाम की शानदार गेंदबाजी के दम पर यह मैच जीत लिया था। इन दोनों गेंदबाजों ने मैच में आठ विकेट लिये थे। दूसरा और तीसरा वनडे मैच 21 और 23 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

बांग्लादेश टीम : मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तनजीद हसन तमीम, सौम्य सरकार, मोहम्मद सैफ हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम अंकोन, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तनजीम हसन साकिब, हसन महमूद, नसुम अहमद।

जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा, 54 वस्तुओं की कीमतों पर सरकार की नजर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी सुधारों का लाभ कम कीमतों के रूप में उपभोक्ताओं को मिल रहा है। जीएसटी बचत उत्सव पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार 22 सितंबर को जीएसटी की कम दरें लागू होने के बाद से देश भर में 54 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रख रही है। सीतारमण ने कहा, ''जीएसटी दरों में कमी के चलते खरीदारी बढ़ी है। उपभोग में वृद्धि का सिलसिला जारी रहेगा।''

उन्होंने आगे कहा, ''हमें भरोसा है कि ऐसी हर वस्तु पर कंपनियां उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचा रही हैं।'' उन्होंने बताया कि कुछ वस्तुओं के मामले में व्यवसायों ने जीएसटी दर कटौती से अधिक लाभ उपभोक्ताओं को दिया है। सीतारमण ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग को जीएसटी कटौती के अनुरूप कीमतों में कमी न करने से संबंधित 3, 169 शिकायतें मिली हैं। इनमें से 3, 075 शिकायतें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के नोडल अधिकारियों को भेज दी गई हैं। विभाग ने 94 शिकायतों का समाधान किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि विभाग शिकायत पोर्टल पर एक सुविधा उपलब्ध कराएगा, ताकि शिकायतों को उन संबंधित क्षेत्रों के मुख्य आयुक्तों को भेजा जा सके जहां से शिकायतें मिली हैं।

भारत-चीन के बीच बढ़ा नया तनाव
अब रेयर अर्थ मेटल्स की सप्लाई पर संकट, भारत ने रूस का रुख किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और चीन के बीच एक नया आर्थिक विवाद खड़ा हो गया है। चीन ने अब रेयर अर्थ मेटल्स और परमानेंट मैग्नेट्स की सप्लाई पर सख्त नियंत्रण लगा दिया है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का करीब 65इ रेयर अर्थ मेटल चीन से आयात करता है, ऐसे में यह कदम भारत के लिए चिंता का विषय बन गया है।

हालांकि, इसी बीच एक सकारात्मक विकास भी सामने आया है। भारतीय कंपनियों ने इस निर्भरता को कम करने के लिए रूस के साथ साझेदारी की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत और रूस के बीच इस विषय पर प्रारंभिक चरण की बातचीत जारी है। केंद्र सरकार आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है और विदेशी आयातों के नए विकल्प खोज रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने लगभग 2, 270 टन रेयर अर्थ मेटल का आयात किया था। भारत सरकार ने रूस से बातचीत के लिए लोहम और मिडवेस्ट नामक दो कंपनियों को चुना है। ये कंपनियां रूस की खनन और प्रोसेसिंग कंपनियों के साथ साझेदारी के अवसर तलाशेंगी।

इसके साथ ही, सीएसआईआर, इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स (धनबाद) और इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल्स एंड मटेरियल्स टेक्नोलॉजी (भुवनेश्वर) को रूस की तकनीकों का अध्ययन करने का जिम्मा दिया गया है। रूस की ओर से इस साझेदारी में नोर्निकेल और रोसाटॉम जैसी सरकारी कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

वर्तमान में वैश्विक रेयर अर्थ प्रोसेसिंग पर चीन का 90इ नियंत्रण है। हालांकि, रूस ने हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में अपनी तकनीकी क्षमता को काफी बढ़ाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत और रूस साथ आते हैं, तो वे इस बाजार में चीन के प्रभाव को चुनौती देने वाले नए खिलाड़ी बन सकते हैं।

हाल ही में भारत सरकार ने रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट उत्पादन के लिए 7, 350 करोड़ रुपए की योजना पर भी चर्चा की है। इसका उद्देश्य देश में उत्पादन बढ़ाना और विदेशी आयात पर निर्भरता कम करना है।

क्रिप्टो मार्केट में भूचाल, दो दिन में 15 लाख करोड़ रुपए का नुकसान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट पिछले दो दिन से भारी गिरावट का सामना कर रहा है। बिटकॉइन, बाइनेंस और रिपल सहित सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी गिर गई हैं। 16 अक्टूबर सुबह 10 बजे से 18 अक्टूबर सुबह 10 बजे तक, डिजिटल संपत्ति बाजार का मार्केट कैप करीब 15 लाख करोड़ रुपए घट गया।

कॉइनमार्केटकैप के अनुसार, खबर लिखे जाने तक बिटकॉइन 1.06 लाख डॉलर पर कारोबार कर रही थी, जबकि दो दिन पहले यह 1.11 लाख डॉलर थी। पिछले 48 घंटे में बिटकॉइन में 4इ से अधिक की गिरावट आई। शुक्रवार को यह 1, 03, 550 डॉलर तक गिर गई थी। 6 अक्टूबर को बिटकॉइन ने 1.26 लाख डॉलर का अपना रिकॉर्ड स्तर बनाया था, जो अब काफी नीचे है।

विश्लेषकों का कहना है कि इस गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव है। निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर लौट रहे हैं। बिटकॉइन के अलावा, अन्य क्रिप्टोकरेंसी या 'ऑल्टकॉइन्स' भी प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई ने 80इ तक गिरावट देखी। ईथर की कीमत भी 3, 700 डॉलर से नीचे आ गई, जो अगस्त के अपने उच्चतम स्तर से 24इ की गिरावट है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह क्रैश नहीं, बल्कि रीप्राइसिंग है। क्रिप्टो मार्केट मेकर विंटरम्यूट के को-फाउंडर योआन टर्पिन के अनुसार, बाइनेंस में गिरावट बाजार की सामान्य बिकवाली और कीमतों के आकलन का परिणाम है।

कैंसर से जूझ रही नन्ही लिलाह के लिए मसीहा बनीं टेलर स्विफ्ट, दिए 1 लाख डॉलर का दिया समर्थन

पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट ने स्टेज 4 ब्रेन कैंसर से पीड़ित दो साल की बच्ची लिलाह के समर्थन में गोफंडमी अभियान में 1, 00, 000 डॉलर का योगदान दिया। यह दान लिलाह की माँ, केटलीन स्मूट द्वारा पोस्ट किए गए एक वायरल वीडियो के बाद दिया गया, जिसमें लिलाह स्विफ्ट के संगीत का आनंद लेती दिखाई दे रही थी। लिलाह के इलाज के लिए मार्च में शुरू किए गए इस अभियान को स्विफ्ट की भागीदारी और संदेश से काफ़ी बढ़ावा मिला। परिवार की अपील और लिलाह के स्विफ्ट के साथ जुड़ाव ने तुरंत लोगों का ध्यान खींचा, जिससे ऑनलाइन व्यापक समर्थन मिला।

रोलिंग स्टोन के अनुसार, लिलाह को दौरा पड़ने के बाद इसका पता चला। केटलीन स्मूट ने बताया कि लिलाह को 'एक बहुत ही दुर्लभ आक्रामक प्रकार का ब्रेन कैंसर' था। इलाज में सर्जरी, कीमोथेरेपी और लंबे समय तक अस्पताल में रहना शामिल था।

परिवार ने लिखाः 'डएमआरआई और एलपी. के बाद, उसे 6 हफ़्ते का प्रोटॉन रेडिएशन दिया जाएगा, जिसके लिए हमारे परिवार को डफिलाडेल्फिया के चिल्ड्रन हॉस्पिटल. जाना होगा। हम घर से कुछ सौ मील दूर होंगे। हमें मिलने वाले सभी दान से हमें यात्रा खर्च और बिल चुकाने में मदद मिलेगी क्योंकि लिला के इलाज के दौरान हम अभी भी बेरोजगार हैं।'

यह खबर तब चर्चा में आई जब केटलीन ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें लिला टेलर स्विफ्ट का वीडियो देखते हुए स्क्रीन की ओर इशारा करते हुए कहती हैं, 'यह मेरी दोस्त है!' केटलीन ने आगे बताया कि उनकी बेटी अपने आईपैड पर स्विफ्ट का वीडियो देखते हुए गायिका को अपनी 'दोस्त' कहती है। यह पोस्ट कई लोगों को पसंद आया और स्विफ्टीज़ और आम लोगों ने समर्थन भरे संदेश भेजे।

स्विफ्ट के दान के बाद, प्रशंसकों ने स्विफ्ट के सम्मान में योगदान दिया, कुछ ने तो उनके पसंदीदा गीत के साथ 13 अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी की। केटलीन ने परिवार की प्रतिक्रिया को संक्षेप में इस प्रकार व्यक्त कियाः 'टेलर स्विफ्ट, आपका धन्यवाद शब्दों से परे है। अब हम अपनी बच्ची के साथ यहाँ रहने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। सच में, हम आपके बहुत आभारी हैं। आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि यह हमारे परिवार के लिए क्या मायने रखता है।'

इंदौर की बहू बनेंगी स्मृति मंधाना! बॉयफ्रेंड पलाश मुच्छल ने शादी पर लगाई मुहर

म्यूजिक डायरेक्टर और फिल्ममेकर पलाश मुच्छल ने क्रिकेटर स्मृति मंधाना से अपनी शादी की खबर को कंफर्म किया है। हाल ही में स्टेट प्रेस क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान, इंदौर निवासी पलाश से स्मृति के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया।

पलाश और स्मृति के बीच रिलेशनशिप की खबरें बार-बार आती रही हैं। पलाश अक्सर अपने इंस्टाग्राम पर उनके साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पलाश ने कहा, 'वह जल्द ही इंदौर की बहू बनेगी... बस इतना ही कहना चाहता हूं। मैंने आपको हेडलाइन दे दी है।' हालांकि, पलाश ने अपनी शादी की तारीख या अन्य जानकारी शेयर नहीं की।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान और सलामी बल्लेबाज स्मृति इन दिनों इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप वनडे मैच के लिए इंदौर में हैं। पलाश ने कहा, 'मेरी शुभकामनाएं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति (मंधाना) के साथ हैं। हम हमेशा यही चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम हर मैच जीते और देश का नाम रोशन करे।'

इस साल की शुरुआत में, जुलाई में, पलाश ने स्मृति के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की थी। पलाश ने लिखा था, 'शुरू से ही, आप उथल-पुथल में मेरी शांति, मेरी सबसे बड़ी चीयरलीडर और मेरे जानने वालों में सबसे प्रेरणादायक रही हैं - मैदान पर और मैदान के बाहर, आपने मुझे दिखाया है कि दबाव में संयम कैसा होता है और शांत शक्ति वास्तव में क्या होती है।

म्यूजिक डायरेक्टर और फिल्ममेकर अपनी बहन पलक मुच्छल के साथ कई बॉलीवुड फिल्मों में म्यूजिक दिया है। वर्तमान में, पलाश अपनी निर्देशित फिल्म 'राजू बाजेवाला' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में अविका गौर और चंदन रॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। मार्च 2014 में पलाश की पहली फिल्म ढिशकियाऊं में रिलीज हुई थी। उन्होंने भूतनाथ रिटर्न्स, ढिशकियाऊं और अमित साहनी की लिस्ट के लिए भी म्यूजिक तैयार किया है। पलाश के प्रसिद्ध गाने पार्टी तो बनती है (भूतनाथ रिटर्न्स), तू ही है आशिकी (ढिशकियाऊं) जैसे गाने काफी लोकप्रिय हुए हैं।

असम के मुख्यमंत्री ने सीतारमण की यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगले महीने होने वाली यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तैयारियां समन्वित तरीके से पूरी की जाएं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया, 'हिमंत विश्व शर्मा ने माननीय केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण की सात और आठ नवंबर को होने वाली असम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज (शनिवार को) दिसपुर में एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।'

पोस्ट में कहा गया, 'शर्मा ने माननीय मंत्री की यात्रा के दौरान निर्धारित कार्यक्रमों व आयोजनों का विस्तृत जायजा लिया और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समय पर व समन्वित तरीके से की जाएं।

सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद के लिए प्रतिबद्ध, उनकी दिवाली खराब नहीं होने देंगे-शिंदे

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि सरकार राज्य के बाढ़ प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी दिवाली फीकी नहीं होने देगी।

राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच गठबंधन की अटकलों पर शिंदे ने शनिवार को कहा कि जो लोग अपने सिद्धांतों पर अडिग नहीं रहेंगे उन्हें जनता नकार देगी।

उन्होंने कहा, ''कुछ नेता कह रहे थे कि अगर दो ठाकरे एक साथ आ गए तो कमाल हो जाएगा। लेकिन ठाणे की जनता उन्हें दिखा देगी कि कौन मालिक है। जो लोग अपने सिद्धांतों पर अडिग नहीं रहेंगे उन्हें जनता नकार देगी।''

शनिवार देर रात ठाणे में अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा, ''दिवाली शुरू हो गई है और हम इसे खुशी से मना रहे हैं। लेकिन इन खुशियों के बीच मराठवाड़ा में बाढ़ के कारण दुख है और किसान रो रहे हैं।''

उन्होंने मराठवाड़ा बाढ़ पर अपनी पार्टी की तत्काल प्रतिक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं को आपदा राहत को प्राथमिकता देने के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे कार्यकर्ता प्रभावित इलाकों में गए और हमने उनसे दशहरा रैली (मुंबई में) में नहीं आने और वहीं रहकर किसानों की मदद करने को कहा। हमने प्रभावित लोगों को सहायता किट भेजीं और उनकी मदद की। मुझे गर्व है कि हमारे कार्यकर्ता जरूरत के समय किसानों के साथ खड़े रहे।'' शिंदे ने कहा कि प्रभावित लोग अच्छे से दिवाली मना सकें इसके लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नीत महायुति सरकार वित्तीय सहायता देने में तेजी लाई है। उप-मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए अपने विरोधियों खासकर उन लोगों पर निशाना साधा, जिन्होंने उन पर राजनीतिक अवसरवादिता और उनके गुरु (दिवंगत) आनंद दिघे का अपमान करने का आरोप लगाया था।

मुंबई हवाई अड्डे पर 1.6 करोड़ रुपये मूल्य का विदेशी सोना जब्त, दो सफाई कर्मचारी गिरफ्तार

मुम्बई **(एजेंसी)**। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई हवाई अड्डे पर दो सफाई कर्मचारियों को 1.6 करोड़ रुपये मूल्य के विदेशी सोने की तस्करी की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि जांच में पता चला है कि तस्करी गिरोह ने विमान में सोना छिपाने के लिए विदेशी यात्रियों का इस्तेमाल किया था, जिसे बाद में हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने अन्य कर्मचारियों की मदद से बरामद कर लिया। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी एक हवाई अड्डा सेवा कंपनी के कर्मचारी हैं और उन्हें शनिवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सीमा शुल्क अधिनियम के तहत कुल 24 कैरेट शुद्धता वाला 1.2 किलोग्राम सोना जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.6 करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के लिए डीए समेत दिवाली बोनस की घोषणा की

अमरावती **(एजेंसी)**। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दिवाली के मौके पर सरकारी कर्मचारियों के लिए एक नवंबर से महंगाई भत्ते समेत कई लाभों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महंगाई भत्ते (डीए) पर प्रति माह 160 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

नायडू ने शनिवार देर रात एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''दिवाली उत्सव पैकेज के तहत हम एक नवंबर से कर्मचारियों को महंगाई भत्ते की एक किस्त जारी कर रहे हैं।''

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार पुलिस विभाग के अर्जित अवकाश भुगतान के एक हिस्से का भुगतान करेगी और इस राशि को 105 करोड़ रुपये की दो बराबर किस्तों में विभाजित करेगी।

नायडू ने बताया कि कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को 60 दिन के भीतर सुव्यवस्थित किया जाएगा और उन्होंने घोषणा की कि सेवानिवृत्ति से पहले 180 दिन का बाल देखभाल अवकाश लिया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री के अनुसार, सरकारी कर्मचारी संघों के कार्यालयों की इमारतों का संपत्ति कर माफ कर दिया गया है और सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के कर्मचारियों को दिवाली उपहार के रूप में पदोन्नति दी गई है।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि कुछ पदों का नाम बदला जाएगा। उन्होंने कर्मचारी संघों से वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) का मुद्दा उन पर छोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस संबंध में घोषणा बस कुछ ही दिन में की जाएगी। नायडू ने कहा कि राज्य सरकार ने वित्तीय संकट के बावजूद कर्मचारियों को 15, 921 करोड़ रुपये का बकाया जारी किया है।

विमान में महिला को अनुचित तरीके से छूने के आरोप में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चेन्नई से हैदराबाद जा रही एक उड़ान में 38 वर्षीय महिला आईटी पेशेवर को अनुचित तरीके से छूने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को तब हुई जब चेन्नई में काम करने वाला 45 वर्षीय एक व्यक्ति हैदराबाद होते हुए उत्तर प्रदेश जा रहा था और कथित तौर पर नशे में था। महिला अपने पति के साथ बैठी थी जबकि आरोपी यात्री विमान में उनके बगल में बैठा था।

पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी विमान में सो गए थे और जब विमान यहां हवाई अड्डे पर उतरने वाला था तो महिला को लगा कि कोई उसे अनुचित तरीके से छू रहा है तभी उसने उस व्यक्ति के हाथ को देखा और शोर मचा दिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विमान के हवाई अड्डे पर उतरने के बाद महिला ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आरजीआईए) पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। उसने दावा किया कि उसने महिला को गलती से छुआ था। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

बिहार चुनाव से पहले व्ळ को झटका

पूर्व एमएलसी संजीव श्याम सिंह जन सुराज में शामिल

पटना **(एजेंसी)**। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधान पार्षद संजीव श्याम सिंह रविवार को जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए हैं। वह अब जन सुराज की तरफ से गुरुआ सीट से उम्मीदवार होंगे।

इससे एक दिन पहले, उन्होंने जदयू की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जिसमें उन्होंने पार्टी पर उपेक्षा (नजरअंदाज करने) का आरोप लगाया था।

जन सुराज में शामिल होने के बाद पूर्व जदयू नेता संजीव श्याम सिंह ने अपनी पुरानी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'मैंने कल ही पार्टी से इस्तीफा दिया है। पार्टी (जदयू) अब पहले जैसी नहीं रही। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले जिस तरह से कार्यकर्ताओं से सीधा बात करते थे, वह अब नहीं हो रहा है। कुछ तत्वों ने पार्टी पर कब्जा कर लिया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि इस पार्टी में बने रहने का कोई मतलब नहीं है। यह पार्टी ठप हो गई है।' उन्होंने आरोप लगाया कि 'नीतीश कुमार की खराब सेहत का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने पार्टी पर कब्जा कर लिया है और वे इसे अलग दिशा में ले जाना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर ही एकमात्र ऐसे नेता हैं जो ईमानदार हैं और समाज के लिए काम करना चाहते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि किशोर राज्य के विकास के लिए काम करेंगे। बिहार विधानसभा की 243 सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा: 6 नवंबर और 11 नवंबर को। वोटों की गिनती और नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा, अमेरिकी सेना ने कैरिबियन में ड्रग्स ले जा रही पनडुब्बी नष्ट की

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने कैरिबियन सागर में मादक पदार्थों की तस्करी के एक जाने-माने रास्ते से अमेरिकी तटों की ओर आ रही एक संदिग्ध ड्रग्स ले जाने वाली पनडुब्बी (सबमरीन) को नष्ट कर दिया है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर इस कार्रवाई को 'बहुत सम्मान की बात' बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पुष्टि की है कि इस पनडुब्बी में ज्यादातर फेंटेनाइल और अन्य अवैध ड्रग्स भरे हुए थे।

ट्रंप ने चेतावनी दी कि यह पनडुब्बी एक 'घातक खतरा' थी। उन्होंने दावा किया, 'अगर मैंने इस पनडुब्बी को किनारे पर आने दिया होता, तो कम से कम 25, 000 अमेरिकी मारे जाते।'

ट्रंप के अनुसार, पनडुब्बी पर सवार दो आतंकवादी मारे गए। यह संख्या पहले बताई गई संख्या से एक ज्यादा है। हमले के बाद अमेरिकी सेना ने दो जीवित बचे लोगों को बचाया। ये दोनों इक्वाडोर और कोलंबिया के नागरिक हैं। दोनों बचे हुए लोगों को हिरासत और अभियोजन के लिए उनके मूल देशों, इक्वाडोर और कोलंबिया, वापस भेजा जा रहा है। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि इस हमले में किसी भी अमेरिकी सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

पेंटागन ने एक्स पर हमले का एक श्वेत-श्याम वीडियो फुटेज पोस्ट किया, जिसमें अर्ध-जलमग्न पनडुब्बी को लहरों के बीच से गुजरते हुए देखा जा सकता है। क्लिप में जहाज के पिछले हिस्से पर हुए एक सहित, कई विस्फोट दिखाई दिए।

ट्रंप ने इन अभियानों को उचित ठहराते हुए कहा है कि अमेरिका ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष में लगा हुआ है। वह उसी कानूनी अधिकार का उपयोग कर रहे हैं जिसका उपयोग जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन ने 9/11 के बाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में किया था। इस अधिकार के तहत संदिग्ध तस्करों के साथ दुश्मन लड़ाकों जैसा व्यवहार किया जा रहा है और कार्टेल नेतृत्व के खिलाफ घातक बल का उपयोग किया जा रहा है।

यह अभियान सितंबर की शुरुआत से कैरिबियन में संदिग्ध ड्रग जहाजों पर अमेरिका का कम से कम छठा हमला था, जिससे इस क्षेत्र में संदिग्ध ड्रग जहाजों के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में मरने वालों की संख्या कम से कम 29 हो गई है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब वेनेजुएला सरकार के साथ बढ़ते गतिरोध के कारण कैरिबियन में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा बढ़ रहा है, जिसमें लगभग 6, 500 सैनिक और कई युद्धपोत शामिल हैं।

ट्रंप ने अपनी नीति दोहराते हुए कहा है, 'अमेरिका जमीन या समुद्र के रास्ते अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले मादक पदार्थों के आतंकवादियों को बर्दाश्त नहीं करेगा।'

दुनिया के सबसे मशहूर मुसी डू लूव्र में करोड़ों की चोरी, 7 मिनट में उड़ाए नेपोलियन के गहने

पेरिस **(एजेंसी)**। फ्रांस का जाना-माना लूवर म्यूजियम, जहां मोना लिसा जैसी दुनिया की सबसे मशहूर पुरानी चीजें और पेंटिंग्स रखी हैं, आज (रविवार) के लिए बंद कर दिया गया है। फ्रांस की एक मंत्री ने म्यूजियम में चोरी होने की खबर दी थी, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। म्यूजियम ने अभी तक कुछ नहीं कहा है, लेकिन खबरों के मुताबिक उनके कलेक्शन से नेपोलियन के जमाने के गहने चोरी हुए हैं।

फ्रांस की संस्कृति मंत्री रचिदा दाती ने आज सुबह सबसे पहले चोरी की खबर दी। उन्होंने ऑनलाइन पोस्ट में लिखा, 'आज सुबह लूवर म्यूजियम के खुलने के वक़्त चोरी हुई। किसी को चोट नहीं लगी है। मैं म्यूजियम के स्टाफ और पुलिस के साथ मौके पर हूं।'

पेरिस की सरकारी वकीलों की टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फिलहाल चोरी हुए सामान के 'नुकसान का अंदाजा' लगा रही है।

न्यूज एजेंसी एएफपी ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि लुटेरे छोटे चेनसॉ के साथ एक स्कूटर पर आए थे। उन्होंने जिस कमरे को निशाना बनाया, वहां तक पहुंचने के लिए एक सामान ढोने वाली लिफ्ट का इस्तेमाल किया।

फ्रांस के अखबार ले पेरिसियन के मुताबिक, चोरों ने सीन नदी की तरफ़ बन रहे हिस्से से म्यूजियम में एंट्री ली। फिर अपोलो गैलरी के कमरे तक जाने के लिए लिफ्ट का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार, चोरों ने खिड़कियां तोड़कर कमरे में घुसपैठ की और कथित तौर पर 'नेपोलियन और महारानी के गहनों के कलेक्शन से नौ गहने' चुरा लिए।

गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने पुष्टि की है कि म्यूजियम से 'बेहद कीमती गहने' चोरी हुए हैं और यह पूरी वारदात सिर्फ 'सात मिनट' तक चली। चोरी हुए सामान की क़ीमत अभी तय की जा रही है।

लूवर के बाहर बैरिकेड्स लगाए गए हैं और जो लोग म्यूजियम खुलने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें बाहर रोका गया है। पूरे इलाके में ट्रैफिक भी कंट्रोल किया गया है।

लूवर दुनिया का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला म्यूजियम है, जहां रोजाना 30, 000 तक लोग आते हैं। यहां 33, 000 से ज्यादा कलाकृतियां हैं, जिनमें पुरानी चीजें, मूर्तियां और पेंटिंग्स शामिल हैं। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण मोना लिसा है। रविवार को चोरी हुई अपोलो गैलरी में फ्रांस के शाही रत्नों का संग्रह रखा गया था। बता दें, इस म्यूजियम में पहले भी चोरियां हुई हैं। सबसे मशहूर चोरी 1911 में हुई थी, जब लियोनार्डो दा विंची की 'मोना लिसा' को एक पुराने कर्मचारी ने चुरा लिया था। दो साल बाद यह पेंटिंग बरामद हुई थी। आखरिी बड़ी चोरी 1983 में हुई थी, जब पुनर्जागरण काल के दो कवच चोरी हो गए थे, जो 2021 में मिल गए थे।

हमास ने 47वीं बार तोड़ा युद्धविराम! 38 मौतों से गाजा फिर लहूलुहान, नेतन्याहू ने कहा- अब तभी खुलेगी रफाह क्रॉसिंग

येरूशलम। गाजा में जारी संघर्ष के बीच इजराइली सेना ने अक्टूबर की शुरुआत से लागू युद्धविराम का 47वीं बार उल्लंघन किया है, जिसमें 38 लोगों की मौत और 143 घायल हुए हैं। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई में 68, 116 लोग मारे गए और 1, 70, 200 घायल हुए हैं। वहीं, 7 अक्टूबर के हमलों में इजराइल में 1, 139 लोगों की मौत और लगभग 200 लोगों का अपहरण हुआ था। इसी बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को घोषणा की कि गाजा और मिस्र के बीच रफाह सीमा क्रॉसिंग को 'अगले आदेश तक बंद' रखा जाएगा, जब तक हमास सभी मृत इजराइली बंधकों के शव वापस नहीं करता।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा- 'रफाह सीमा तभी खोली जाएगी जब हमास मृत बंधकों के अवशेष लौटाने और युद्धविराम समझौते के तहत तय शर्तों को पूरा करेगा।' रफाह सीमा गाजा का इकलौता द्वार था जो इजराइल के सीधे नियंत्रण में नहीं था। यह मानवीय सहायता और नागरिकों के आवागमन के लिए जीवनरेखा मानी जाती थी। इसकी बंदी ने गाजा के लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। हमास ने शनिवार को दो और बंधकों के शव रेड क्रॉस को सौंपे, जिन्हें बाद में इजराइली सेना के हवाले किया गया। इजराइल ने इस घटना को 'अपूर्ण सहयोग' बताते हुए हमास पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

दूसरी ओर, काहिरा स्थित फलस्तीनी दूतावास ने घोषणा की थी कि रफाह सीमा सोमवार, 20 अक्टूबर को मिस्र के साथ समन्वय के बाद खोली जाएगी, ताकि मिस्र में रह रहे फिलीस्तीनी नागरिक गाजा लौट सकें। हालांकि नेतन्याहू के आदेश के बाद यह निर्णय फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इस बीच, तेल अवीव में प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की कि गाजा में बचे सभी बंधकों के शवों को जल्द से जल्द वापस लाया जाए।

इजराइल ने नेपाली छात्र को अंतिम विदाई दी, हमास ने अपहृत करके मार डाला था

तेल अवीव। इजराइल ने रविवार को एक नेपाली छात्र को अंतिम विदाई दी, जिसका सात अक्टूबर 2023 को हमास ने अपहरण कर लिया था और बाद में उसे कैद में मार दिया गया था। यह जानकारी इजराइल के विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि बिपिन जोशी (23) का पार्थिव शरीर बेन गुरियन हवाई अड्डे पर अंतिम विदाई के बाद नेपाल ले जाया जाएगा। हमास ने जोशी का शव पिछले मंगलवार को लौटाया था और उसकी पहचान फॉरेंसिक जांच के जरिये की गई। यह समारोह 8वीं बख्तरबंद ब्रिगेड स्मारक पर हुआ, जहां अधिकारियों, सैनिकों और आम जनता ने शोक में सिर झुकाया। छात्र जोशी, एक कृषि छात्र, इजराइल के विदेश मंत्रालय के अधीन काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी, माशाव के तहत एक अंतरराष्ट्रीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत इजराइल आया था। जोशी को 7 अक्टूबर को किबुत्ज़ अलुमिम में एक आश्रय से हमास ने बंधक बना लिया था। जोशी ने घायल होने के बावजूद वहां एक ग्रेनेड को रोकने का वीरतापूर्ण कार्य किया था, कई लोगों की जान बची थी। इजराइली विदेश मंत्रालय में उप महानिदेशक और माशाव प्रमुख इनात शलेन, समारोह में शामिल। जोशी रिहायी की वकालत करने के लिए उसकी मां और बहन हाल ही में इजराइल आई थीं। दोनों की यात्रा के दौरान जोशी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

ज़ेलेंस्की ने कहा : ट्रंप का हर दांव फेल! पुतिन को केवल शब्दों से रोकना मुश्किल दुनिया से की अपील- अब तो कुछ निर्णायक करो

कीव **(एजेंसी)**। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रविवार को अमेरिका, यूरोप, जी7 और जी20 देशों को याद दिलाया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, लगता है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हर दांव खाली जा रहा है और पुतिन को केवल शब्दों से नहीं रोका जा सकता, दबाव जरूरी है। दुनिया देख रही है कि रूस केवल ताकत के जवाब में प्रतिक्रिया करता है, जिसका मतलब है कि शक्ति के माध्यम से शांति संभव है।' ज़ेलेंस्की ने ट्विटर पर लिखा कि यूक्रेन आतंकवादियों को उनके अपराधों के लिए कोई इनाम नहीं देगा और हमारे सहयोगियों से उम्मीद है कि वे इस स्थिति को कायम रखें।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका, यूरोप, जी20 और जी7 देशों से तुरंत निर्णायक कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि लोगों की जानों की रक्षा की जा सके। राष्ट्रपति ने रूस पर आरोप लगाया कि वह लगातार हवाई हमलों के जरिए उनके लोगों को आतंकित कर रहा है और युद्ध को समाप्त करने की कोई इच्छा नहीं रखता। ज़ेलेंस्की ने कहा, 'यूक्रेन ने कभी युद्ध नहीं चाहा। हमने बिना शर्त युद्धविराम पर सहमति दी, शांति के अवसर खोजे, और लगातार दुनिया को जमीन, समुद्र और आकाश में हमलों को रोकने के उपाय पेश किए। लेकिन रूस लगातार इस प्रक्रिया में बाधा डालता है, बातचीत को खींचता है और लोगों को हमलों से आतंकित करता है। युद्ध जारी है क्योंकि मॉस्को इसे समाप्त नहीं करना चाहता।' इस बीच, अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ज़ेलेंस्की के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, लेकिन कीव की वास्तविक उम्मीदें अभी पूरी नहीं हुई हैं।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।